Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 222 | शनिवार, 22 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जापानी तकनीक और यूपी की युवा शक्ति से बनेगी हेल्थकेयर की नई साझेदारी

यूपी-जापान हेल्थकेयर एंड केयर इकॉनामी पार्टनरशिप में निवेश, रोबोटिक्स, मेडिकल एजुकेशन और स्किल्ड मैनपावर पर हुआ मंथन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी-जापान हेल्थकेयर एंड केयर इकॉनामी पार्टनरशिप के सेक्टोरल सेशन में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच हेल्थकेयर, मेडिकल एजुकेशन, रोबोटिक्स, फार्मा और कुशल मानव संसाधन के क्षेत्र में साझेदारी की नई संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति और जापान की अत्याधुनिक तकनीक का संगम दोनों देशों के लिए हेल्थकेयर सेक्टर में नए अवसर पैदा कर सकता है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। बेहतर कानून-व्यवस्था, एक्सप्रेसवे, एयर कनेक्टिविटी, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास ने प्रदेश को निवेश के लिए अनुकूल बनाया है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीक, गुणवत्ता और कार्यकुशलता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, जबकि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी युवा आबादी और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 47 से बढ़कर 83 से अधिक हो गई है। मेडिकल कॉलेजों के साथ नर्सिंग कॉलेज भी विकसित किए जा रहे हैं और एमबीबीएस, एमडी, नर्सिंग तथा पैरामेडिकल सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जापान में प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए उत्तर प्रदेश वहां डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ और मेडिकल तकनीशियन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जापानी कंपनियों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को जापानी भाषा और कार्य संस्कृति का प्रशिक्षण भी दिया जा सकता है।

- जापान तकनीक, गुणवत्ता और कार्यकुशलता के लिए तो यूपी प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में सक्षम : ब्रजेश पाठक
- जापान की तकनीक और उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति का संगम विकास की नई संभावनाएं पैदा करेगा : कपिल देव अग्रवाल

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित घोष ने कहा कि हेल्थकेयर सेक्टर में जापान के साथ सहयोग के लिए उत्तर प्रदेश में व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हाल में आयोजित निवेश कार्यक्रम में नई पीढ़ी के स्टार्टअप उद्यमियों ने भी भाग लिया।

फार्मा क्षेत्र में एक ही दिन 12 कंपनियों के साथ एमओयू किए गए। जापानी कंपनियां उत्तर प्रदेश में निवेश करने की इच्छुक हैं और प्रदेश जापानी तकनीक को यहां लाने के लिए भी प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि जापान के सहयोग से प्रदेश में रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी की नई संभावनाओं पर काम किया जा रहा है।

इसके साथ ही करीब 400 एकड़ में मेडिकल टेक पार्क विकसित करने की योजना है। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेजों के निर्माण में भी जापानी निवेशकों और कंपनियों की भागीदारी की संभावनाएं तलाशने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि जापान की कार्य संस्कृति और तकनीकी दक्षता के साथ उत्तर प्रदेश का विकसित होता हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिलकर एक मजबूत मॉडल तैयार कर सकता है। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जापान यात्रा के बाद जापानी प्रतिनिधिमंडल का उत्तर प्रदेश आना दोनों देशों के बढ़ते विश्वास और मजबूत होते संबंधों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जापान की तकनीक और उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति का संगम विकास की नई संभावनाएं पैदा करेगा।

8 घंटे बाद एफआईआर

अमित शाह, गृह सचिव को एफआईआर के आदेश देने पड़े: राहुल गांधी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एक शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की। इस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एक छात्र को पैलेट गन से चोटें आईं। यह एफआईआर राहुल गांधी के संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पर धरना देकर कार्रवाई की मांग करने के कुछ घंटों बाद दर्ज की गई। दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन से लगी चोट के मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 118 और 125 के तहत एफआईआर दर्ज की है। BNS की धारा 118 खतरनाक हथियारों या तरीकों से जान-बूझकर चोट या गंभीर चोट पहुंचाने से संबंधित है, जबकि धारा 125 दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्यों से संबंधित है। सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह न्याय की दिशा में पहला कदम है। केस दर्ज हो गया है। उसे गोली लगे हुए एक महीना हो गया है। उसके शरीर में अभी भी छर्रे फंसे हुए हैं; तीन उसकी आंख में हैं, और वह उससे देख नहीं पा रहा है। तीन या चार उसके दिल के पास हैं। इस नौजवान के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। हम आज सुबह 11:00 या 11:30 बजे यहां पहुंचे थे। हम तब से यहीं हैं–अभी लगभग पौने सात बज रहे हैं–और अब जाकर एफआईआर दर्ज हुई है। जरा सोचिए: इस देश में कितनी ही महिलाओं के साथ रेप होता है, कितने ही बच्चे मारे जाते हैं, कितने ही लोगों को गोली मारी जाती है, और कितने ही लोगों के शरीर में छर्रे फंसे होते हैं। उन्होंने कहा कि यह पुलिस स्टेशन दिल्ली के बीचों-बीच है, फिर भी यहां न्याय नहीं मिल रहा है। सोचिए कि किसी गांव या छोटे शहर के पुलिस स्टेशन में क्या होता होगा। हमने यहां कुछ गलत नहीं किया; हमने बस एक भारतीय नागरिक–उसके माता-पिता–के लिए न्याय मांगा और इसमें 8 घंटे लग गए। आखिरी मंजूरी–आखिरी 'ओके'–होम सेक्रेटरी और खुद अमित शाह की तरफ से आनी थी। उसके बाद ही एफआईआर जारी हुई। तो, आप समझ सकते हैं कि एफआईआर को कौन रोक रहा था। ये पुलिस अधिकारी इसे दर्ज करना चाहते थे; दूसरे भी ऐसा करना चाहते थे, लेकिन न्याय की प्रक्रिया को ऊपर से रोका जा रहा था। पैलेट गन हमले के शिकार साहिल लोचव ने कहा कि जब हाल ही में मेरी उनसे (लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी) बात हुई और उन्होंने मेरी सेहत के बारे में पूछा, तो मैंने बताया कि मेरी एफआईआर दर्ज नहीं हो रही है। उन्होंने तुरंत कहा, 'कल मिलते हैं; मैं जाकर आपकी एफआईआर दर्ज करवाऊंगा।' मैं इतनी मदद के लिए उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। यह एफआईआर न्याय की दिशा में पहला कदम है। एफआईआर दर्ज होने में आठ घंटे लगे, और शायद अगर विपक्ष के नेता ने मेरा साथ न दिया होता, तो यह एफआईआर कभी दर्ज ही नहीं हो पाती। मैं 14 अगस्त से ही एफआईआर दर्ज करवाने के लिए भाग-दौड़ कर रहा था।

झारखंड उच्च न्यायालय ने जेएसएससी सीजीएल और सीडीपीओ भर्ती रद्द करने के आदेश पर लगाई रोक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड उच्च न्यायालय ने बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) की नियुक्तियां और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा के जरिए हुई भर्तियां रद्द करने संबंधी अधिसूचनाओं पर शुक्रवार को रोक लगा दी। अदालत ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11वीं और 13वीं परीक्षाएं रद्द करने संबंधी अधिसूचनाओं पर बुधवार को रोक लगाने के अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की नियुक्तियां रद्द करने के आदेश पर भी रोक लगा दी थी। याचिकाकर्ता के वकील इंद्रजीत सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'न्यायमूर्ति दीपक रोशन की पीठ ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के जरिए हुई भर्तियां रद्द करने संबंधी अधिसूचना के अमल पर आज रोक लगा दी। इसके अलावा सीडीपीओ की नियुक्तियां रद्द करने संबंधी अधिसूचना पर भी रोक लगाई गई है।' उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सात सितंबर को जवाबी हलफनामा दाखिल करेगी और याचिकाकर्ता 14 सितंबर तक उस पर अपना प्रत्युत्तर दाखिल करेंगे। सिन्हा ने कहा, 'अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह 15 सितंबर को मामले की सुनवाई पहले से निर्धारित अपराह्न सवा दो बजे के बजाय दोपहर सवा 12 बजे करेगी। अदालत ने यह भी कहा कि मामले को प्राथमिकता के आधार पर लिया गया है।'

पीडीए के 'पी' पर सीएम योगी का अखिलेश पर तंज: आज पिछड़ा, कल पंडित, परसों पाकिस्तान भी!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की 5वीं पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को लखनऊ में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने 'बाबूजी' को श्रद्धांजलि तक नहीं दी, जो बीजेपी नेता के प्रति उनकी नफरत को दिखाता है। योगी ने कहा कि यह हरकत न सिर्फ कल्याण सिंह का अपमान थी, बल्कि जाति-आधारित अपमान भी थी। उन्होंने कहा कि यह हर उस हिंदू का अपमान था जो मानता है कि बाबूजी का जीवन सनातन मूल्यों और हिंदू गौरव के लिए समर्पित था। साक्षी महाराज ने बिल्कुल सही कहा कि अब ये लोग क्या कहेंगे, इन पर कोई भरोसा नहीं है। वे गिद्धों की तरह हैं जो उसी पेड़ को खा जाते हैं जिस पर वे चढ़ते हैं। योगी ने कहा कि 'बाबूजी' कल्याण सिंह जी दबाव में आकर काम करने वाले नहीं थे। वे कहते थे कि 'कल्याण सिंह टूट सकता है, लेकिन झुक नहीं सकता।' उन्होंने जीवन भर अपने इस वचन को निभाया...। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के ढऊअ फॉमूर्ले पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि जो लोग हालात के हिसाब से 'गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं', वे 'ढ' अक्षर के अलग-अलग मतलब निकालते रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि वे कभी 'ढ' का मतलब पिछड़ा बताते हैं, तो कभी पंडित, और हो सकता है कि एक दिन वे इसे पाकिस्तान भी बताने लगें। बीजेपी कल्याण सिंह की पुण्यतिथि को 'हिंदू गौरव दिवस' के तौर पर मनाती है। इस मौके पर लखनऊ के एकाना स्टेडियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, कल्याण सिंह के पोते, और उनके बेटे व पूर्व सांसद राजवीर सिंह (जिन्हें 'राजू भैया' के नाम से भी जाना जाता है) भी मौजूद थे। योगी ने बताया कि कल्याण सिंह ने अपनी सरकार की कुबार्नी दे दी, लेकिन कहा कि राम भक्तों पर गोली नहीं चलाई जाएगी। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारे का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि ये गिरगिट की तरह रंग बदलने वाले लोग हैं... पी की परिपहले पिछड़ा बताया, फिर पंडित कर दिया। किसी दिन पी की परिपाकिस्तान भी कर देंगे...। कल्याण सिंह के साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे एक साधारण किसान परिवार से आए थे और उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक, किसान, शिक्षक, विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और राज्यपाल के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। योगी ने कहा कि जब लोग आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर और विराजमान रामलला को देखते हैं, तो कल्याण सिंह की यादें ताजा हो जाती हैं। मुख्यमंत्री ने कल्याण सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना कार्यक्रम छोड़कर दिल्ली से लखनऊ पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। योगी ने कहा कि वह खुद और मंत्रिमंडल के सभी सदस्य लखनऊ से अलीगढ़ और फिर अतरौली तक अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे।

अगर बच्चे शिक्षित होंगे तो बीजेपी को क्या दिक्कत? जयपुर हमले पर केजरीवाल का सवाल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 21 अगस्त को राजस्थान के जयपुर में 'कॉकरोच जनता पार्टी' (उखढ) के वॉलंटियर्स पर हुए कथित हमले की निंदा की और बच्चों की शिक्षा को लेकर भारतीय जनता पार्टी के रुख पर सवाल उठाए। पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने इखढ कार्यकताओं पर उखढ वॉलंटियर्स के साथ मारपीट करने, उनके कपड़े फाड़ने और उनकी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि देश में क्या हो रहा है? BJP के गुंडों ने CJP वॉलंटियर्स पर बेरहमी से हमला किया। उन्होंने उनके साथ मारपीट की, उनके कपड़े फाड़े और उनकी गाड़ियों की खिड़कियां तोड़ दीं।

केजरीवाल ने आगे कहा कि क्या यह सब इसलिए हो रहा है ताकि वे बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए आवाज न उठा सकें? अगर बच्चे पढ़-लिख जाते हैं, तो BJP को क्या दिक्कत है? वे हमारे बच्चों को अनपढ़ क्यों रखना चाहते हैं? यह बयान राजस्थान के शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच आया है। तनाव तब बढ़ा जब जयपुर ज़िले के रामपुरा कंवरपुरा में एक हिंसक घटना हुई, जिसमें CJP के एक प्रतिनिधिमंडल पर राजनीतिक विरोधियों ने कथित तौर पर हमला किया। CJP ने बताया कि उनके सदस्य एक स्थानीय सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने की कोशिश कर रहे थे जो एक कामचलाऊ शेड में चल रहा था, तभी एक भीड़ ने उन्हें रोक लिया।

CJP कार्यकर्ता आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि यह हमला पहले से तय था और उन्होंने इस घटना के लिए 'BJP के गुंडों' को ज़िम्मेदार ठहराया।

अमित शाह का ममता पर हमला, बोले- सिंडिकेट को बचाने के लिए नए आपराधिक कानूनों को नहीं किया लागू

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने संसद से पारित नए आपराधिक कानूनों को इसलिए अधिसूचित नहीं किया, क्योंकि वह सिंडिकेट, कट-मनी और वसूली के राज को बचाना चाहती थीं।

सिलीगुड़ी के कावाखाली मैदान में शुक्रवार को तीन नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि अब सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इन कानूनों को लागू किया है। उन्होंने दावा किया कि इन कानूनों ने राज्य में भय के माहौल को भरोसे में बदलने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया है।

'ममता ने नए कानूनों को अधिसूचित नहीं किया'

अमित शाह ने कहा, जब पूरा देश नए आपराधिक कानूनों को लागू करना शुरू कर चुका था, तब ममता बनर्जी ने इन्हें अधिसूचित नहीं किया। उन्हें पता था कि ये कानून उनके सिंडिकेट, कट-मनी और वसूली के राज के लिए मौत की घंटी साबित होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य में कानून का शासन स्थापित किया है। नए आपराधिक कानूनों से न्याय देने की प्रक्रिया तेज होगी और किसी भी पुलिस थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई जा सकेगी।

घुसपैठियों को लेकर भी दोहराया रुख

सीमा पार से घुसपैठ के मुद्दे पर शाह ने अपना रुख दोहराते हुए कहा, मैं इस राज्य में एक-एक घुसपैठिये का पता लगाने और 'डिटेक्ट-डिलीट-डिपोर्ट' तंत्र के जरिए उन्हें देश से बाहर निकालने के अपने दृढ़ संकल्प को दोहराता हूं। उन्होंने कहा कि बनर्जी ने बंगाल में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के लागू होने को रोकने की कोशिश की थी और इसका मजाक भी उड़ाया था। शाह ने कहा, ह्लेकिन अब लोगों ने उन्हें और उनकी सरकार को सत्ता से हटा दिया है।

1 जुलाई 2024 से लागू हुए नए कानून

तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) एक जुलाई 2024 से लागू हुए। इन कानूनों ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

जंतर-मंतर बना 'आरक्षण हटाओ' आंदोलन का नया केंद्र, बीजेपी के कोर वोटर्स का हल्ला बोल!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेतृत्व में हुए विरोध-प्रदर्शन के खत्म होने के कुछ हफ़्तों बाद, देश भर में विरोध-प्रदर्शनों की एक लहर उठ खड़ी हुई है। इन विरोध-प्रदर्शनों के बीच, राष्ट्रीय राजधानी में 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' आयोजित किया जा रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने शांतिपूर्ण 'आरक्षण-विरोधी' विरोध-प्रदर्शन के लिए 'नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' दे दिया है। यह घटनाक्रम 'रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन' के डिजिटल कैंपेन के बीच सामने आया है। इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए देश की अलग-अलग हिस्सों से लोग भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। प्रभासाक्षी की टीम खुद वहां पहुंची थी। लगातार लोगों का वहां आना हो रहा था। अलग-अलग संगठन के लोग भी इसमें भागीदारी कर रहे हैं। यह लगातार यूजीसी को लेकर मोदी सरकार पर सवाल खड़े कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर संगठन और लोग वह है वह बीजेपी के कोर वोटर रहे हैं। उनका साफ तौर पर कहना है कि हमें बीजेपी से ही उम्मीद है इसलिए हम अपनी मांग को लेकर यहां पहुंचे हैं। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण धरने की अनुमति नहीं दे रही है। यहां से रामलीला मैदान जाने को कह रही है।

संपादक की कलम से

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले: भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

ललित शर्मा
संपादक

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर 'भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा' है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा। अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यत: भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था। इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनसंर्तुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है।

मुस्कुराहट से हर रिश्ते की शुरूआत

उदय कशोर साह

कविता

मुस्कुराते रहिए, यही जीवन का मधुर श्रृंगार है,
मुस्कान में छिपा प्रेम, अपनापन और संसार है।
जो दिलों के द्वार खोल दे, वह सबसे प्यारी बात है,
एक मुस्कान से शुरू होती हर रिश्ते की शुरूआत है।

मुस्कान जहाँ बिखरती है, वहाँ खुशियाँ खिल जाती हैं,
सूनी-सूनी राहों में भी आशाएँ मिल जाती हैं।
चेहरे की यह रोशनी मन को सुकून पहुँचाती है,
अनजान दिलों में भी अपनत्व की लौ जलाती है।

फूलों-सी मुस्कान रखो, सुगंध चारों ओर फैलाओ,
रूठे हुए चेहरों पर भी प्रेम की किरणें लाओ।
न कोई मूल्य इसका, न कोई इसका हिसाब है,
फिर भी मुस्कान बाँटना दुनियाँ का सबसे सुंदर जवाब है।

जब शब्द साथ न दें, मुस्कान संवाद बन जाती है,
अनकही भावनाओं की वह पहचान बन जाती है।
पहली मुलाकात में भी दिल से दिल मिलाती है,
अजनबी राहों को भी परिचित बना जाती है।

इसलिए हर सुबह चेहरे पर उजियारा सजाइए,
दु:ख कितना भी हो, मुस्कुराकर उसे हराइए।
किशन एक मुस्कान किसी का दिन सँवार सकती है,
शायद किसी टूटे दिल में फिर उम्मीद जगा सकती है।

बखरते परिवार, बदलते संस्कार और अकेला होता समाज

डॉ विजय गर्ग
लेखक

परिवार हमेशा से मानव समाज की सबसे मजबूत नींवों में से एक रहा है। यही वह पहला स्थान है जहाँ बच्चा प्रेम, सहयोग, सम्मान, जिम्मेदारी, करुणा और रिश्तों का महत्व सीखता है। पीढ़ियों से परिवार ने केवल भावनात्मक सुरक्षा ही नहीं दी, बल्कि व्यक्ति को पहचान, अपनापन और निरंतरता का एहसास भी कराया। लेकिन सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी बदलावों की तेज गति परिवारों की संरचना और कार्यप्रणाली को तेजी से बदल रही है। जैसे-जैसे पारंपरिक पारिवारिक रिश्तों की पकड़ कमजोर हो रही है, वैसे-वैसे समाज में बदलते मूल्य और बढ़ता अकेलापन भी दिखाई देने लगा है।

एक समय संयुक्त परिवार व्यवस्था में कई पीढ़ियाँ एक ही छत के नीचे रहती थीं। दादा-दादी, माता-पिता, बच्चे, चाचा-चाची और अन्य रिश्तेदार जिम्मेदारियाँ, अनुभव, खुशियाँ और कठिनाइयाँ साझा करते थे। बच्चे विभिन्न पीढ़ियों को देखकर ही जीवन के अनेक महत्वपूर्ण पाठ सीख लेते थे। आज छोटे परिवार और शिक्षा तथा रोजगार के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना सामान्य हो गया है। युवा अक्सर पढ़ाई और नौकरी के लिए बड़े शहरों या दूसरे देशों में चले जाते हैं, जबकि बुजुर्ग माता-पिता पीछे अकेले रह जाते हैं। यदि रिश्तों को सचेत रूप से बनाए न रखा जाए तो भौतिक दूरी धीरे-धीरे भावनात्मक दूरी में बदल सकती है।

पारिवारिक रिश्तों में बदलाव का एक प्रमुख कारण आधुनिक जीवन की बढ़ती गति है। लंबे कार्य घंटे, पढ़ाई का दबाव, आर्थिक चिंताएँ, आने-जाने में लगने वाला समय और पेशेवर प्रतिस्पर्धा लोगों को सार्थक पारिवारिक संवाद के लिए कम समय देते हैं। कई बार परिवार के सदस्य एक ही घर में मौजूद होते हुए भी स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, टेलीविजन, ऑनलाइन मनोरंजन और काम से जुड़े संदेशों में व्यस्त रहते हैं। तकनीक ने संवाद को आसान जरूर बनाया है, लेकिन उसने रिश्तों को आवश्यक रूप से गहरा नहीं किया है। परिवार के सदस्य भोजन की मेज पर साथ बैठे हो सकते हैं, लेकिन हर व्यक्ति की नजर अलग-अलग स्क्रीन पर होती है। दिनभर संदेशों का आदान-प्रदान हो सकता है, फिर भी दिल से होने वाली बातचीत कम होती जा रही है। डिजिटल जुड़ाव आमने-सामने बैठकर बातचीत करने की गर्माहट, साथ भोजन करने की खुशी, एक-दूसरे की चिंता सुनने या कभी-कभी बिना कुछ कहे साथ बैठने के अनुभव का पूरी तरह स्थान नहीं ले सकता। बदलते पारिवारिक मूल्यों का एक महत्वपूर्ण पहलू जीवन-दृष्टि में आया परिवर्तन भी है। पहले समायोजन, त्याग, धैर्य, सामूहिक जिम्मेदारी और बड़ों के सम्मान पर विशेष जोर दिया जाता था। आज व्यक्तिगत स्वतंत्रता, निजी उपलब्धि, निजता और आत्मनिर्भरता को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। ये मूल्य अपने आप में नकारात्मक नहीं हैं। वास्तव में स्वतंत्रता और समानता एक स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब व्यक्तिगत हितों के सामने संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और दूसरों के प्रति विचार पूरी तरह पीछे छूट जाते हैं। रिश्तों में यह बदलाव विशेष रूप से युवा पीढ़ी के जीवन में दिखाई देता है। बच्चों को माता-पिता और दादा-दादी के साथ समय बिताने के अवसर केवल पढ़ाई और मार्गदर्शन के लिए ही नहीं, बल्कि भावनात्मक विकास के लिए भी चाहिए। दादा-दादी कहानियों, परंपराओं, सांस्कृतिक ज्ञान और पारिवारिक इतिहास के महत्वपूर्ण स्रोत हो सकते हैं। वहीं युवा पीढ़ी भी बुजुर्गों को नई तकनीक और बदलती सामाजिक परिस्थितियों को समझने में मदद कर सकती है। स्वस्थ परिवार वही है जहाँ पीढ़ियाँ एक-दूसरे से सीखती हैं। पारिवारिक संबंधों का कमजोर होना अकेलेपन को भी बढ़ा सकता है। अकेलापन केवल लोगों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है। व्यक्ति लोगों से घिरा होने के बावजूद अकेला महसूस कर सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि उसके जीवन में ऐसे सार्थक रिश्ते हों जहाँ उसे सुना जाए, सम्मान मिले, उसकी भावनाओं को समझा जाए और उसे भावनात्मक सहारा मिले। जब परिवार में बातचीत कम हो जाती है, तो लोग डिजिटल माध्यमों पर साथ तलाशने लगते हैं, लेकिन ऑनलाइन संपर्क हमेशा वास्तविक मानवीय रिश्तों जैसी गहराई और स्थिरता प्रदान नहीं कर पाता।

हालाँकि, इसके लिए केवल आधुनिकता को दोष देना उचित नहीं होगा। परिवारों को भी बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना होगा। महिलाओं की शिक्षा और रोजगार, शहरीकरण, प्रवासन, आर्थिक आत्मनिर्भरता और नए करियर अवसरों ने पारिवारिक भूमिकाओं को बदला है। इन परिवर्तनों को परिवार के लिए खतरे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बल्कि ये अधिक समान, सम्मानजनक और लचीले पारिवारिक संबंध बनाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। समाधान यह नहीं है कि हम बिना सोचे-समझे अतीत में लौट जाएँ। हर पीढ़ी की अपनी परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ होती हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अतीत के सकारात्मक मूल्यों को बचाते हुए वर्तमान की रचनात्मक संभावनाओं को अपनाएँ। सम्मान के साथ समानता हो, परंपरा के साथ विवेक हो, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी हो और आधुनिक तकनीक के साथ सार्थक मानवीय संवाद भी बना रहे।

परिवार की छोटी-छोटी आदतें बड़ा बदलाव ला सकती हैं। जब संभव हो साथ भोजन करना, त्योहार मिलकर मनाना, बुजुर्ग रिश्तेदारों से मिलना, बच्चों को हर समय डाँटने या परखने के बजाय उनकी बात ध्यान से सुनना, घर के कामों में जिम्मेदारी साझा करना और नियमित रूप से कुछ समय डिजिटल उपकरणों से दूर रहना पारिवारिक संबंधों को मजबूत कर सकता है। परिवार को हमेशा बड़े प्रयासों की आवश्यकता नहीं होती; कई बार नियमित ध्यान, अपनापन और एक-दूसरे के लिए समय देना ही सबसे महत्वपूर्ण होता है।

विद्यालयों और समुदायों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और अकादमिक उपलब्धि तक सीमित नहीं होना चाहिए। बच्चों को सहानुभूति, संवाद, सहयोग, सम्मान, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और सामाजिक जिम्मेदारी भी सिखाई जानी चाहिए। सामुदायिक गतिविधियाँ, पुस्तकालय, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, स्वयंसेवा और विभिन्न पीढ़ियों को जोड़ने वाले कार्यक्रम लोगों को अपने परिवार से बाहर भी सार्थक रिश्ते बनाने के अवसर प्रदान कर सकते हैं। बदलते सामाजिक परिवेश में बुजुर्गों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उनका अनुभव और ज्ञान समाज की मूल्यवान संपत्ति है। बुजुर्गों को केवल परिवार पर निर्भर व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय उन्हें मार्गदर्शक, सलाहकार, कहानीकार, स्वयंसेवक और युवा पीढ़ी के प्रेरणास्रोत के रूप में सम्मान दिया जाना चाहिए। मजबूत परिवार का अर्थ ऐसा परिवार नहीं है जहाँ कभी मतभेद न हों। विचारों में अंतर स्वाभाविक है। महत्वपूर्ण यह है कि परिवार के सदस्य संवाद करना, एक-दूसरे को क्षमा करना, आवश्यकतानुसार समझौता करना और मतभेदों के बावजूद जुड़े रहना सीखें। रिश्ते इसलिए मजबूत नहीं होते कि उनमें कभी संघर्ष नहीं होता, बल्कि इसलिए मजबूत होते हैं क्योंकि परिवार के सदस्य धैर्य और सम्मान के साथ संघर्षों को सुलझाना सीखते हैं। समाज का भविष्य केवल तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास पर निर्भर नहीं करेगा, बल्कि मानवीय रिश्तों की गुणवत्ता पर भी निर्भर करेगा। इमारतें ऊँची हो सकती हैं, शहर स्मार्ट हो सकते हैं और तकनीक अधिक शक्तिशाली हो सकती है, लेकिन इनमें से कोई भी चीज उन रिश्तों से मिलने वाली भावनात्मक सुरक्षा का स्थान नहीं ले सकती जिनमें अपनापन और देखभाल हो। परिवार बदल रहा है और बदलाव स्वाभाविक है। लेकिन परिवार की बदलती संरचना का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि पारिवारिक मूल्य भी समाप्त हो जाएँ। हमारी जिम्मेदारी है कि हम वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप पारिवारिक रिश्तों को नया स्वरूप दें, लेकिन प्रेम, सम्मान, करुणा, जिम्मेदारी और साथ रहने की भावना जैसे शाश्वत मूल्यों को बनाए रखें। वास्तव में समृद्ध समाज वही है जहाँ लोग केवल लंबा जीवन न जिएँ और अधिक धन न कमाएँ, बल्कि वे अपने जीवन में जुड़े होने, महत्व पाने और देखभाल मिलने का अनुभव भी करें। यदि हम आधुनिक जीवन की संभावनाओं को अपनाते हुए रिश्तों की गर्माहट को बचा सकें, तो हम ऐसा समाज बना सकते हैं जो केवल अधिक विकसित ही नहीं, बल्कि अधिक मानवीय भी हो।

आस्था का सम्मान, लेकिन गलत बातों पर सवाल जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

धर्म मनुष्य के जीवन में केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड का विषय नहीं है। वह उसकी आस्था, संस्कृति, नैतिकता, परंपरा और जीवन-दृष्टि से जुड़ा हुआ विषय है। धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए।

आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी।

धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है। लोकतंत्र में किसी विचार को केवल इसलिए आलोचना से मुक्त नहीं किया जा सकता कि वह धार्मिक संदर्भ से आया है। यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा—धर्म की आलोचना और धार्मिक व्यक्ति का अपमान अलग-अलग बातें हैं। किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन, उसकी व्याख्या या उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रश्न उठाना किसी धर्मावलंबी के सम्मान को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं होना चाहिए। आलोचना विचार की होनी चाहिए, व्यक्ति की नहीं। तर्क का जवाब तर्क से दिया जाना चाहिए, भावनात्मक आक्रोश से नहीं। हमारे समाज में अक्सर यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि जब किसी धार्मिक ग्रंथ की किसी बात पर प्रश्न उठता है तो चर्चा का केंद्र उस प्रश्न का उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछने वाले की नीयत बन जाती है। उसे धर्म-विरोधी, परंपरा-विरोधी या समाज-विरोधी कह दिया जाता है। इससे संवाद बंद होता है और कट्टरता बढ़ती है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर उपलब्ध है तो उसे शांतिपूर्वक सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी कथन की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। और यदि कोई बात ऐतिहासिक संदर्भ में थी, तो उसके संदर्भ को समझाया जाना चाहिए। धार्मिक ग्रंथों को उनके समय और परिस्थितियों से काटकर पढ़ना भी समस्या पैदा कर सकता है। हजारों वर्ष पहले का समाज आज के समाज जैसा नहीं था। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान, परिवार व्यवस्था और आर्थिक परिस्थितियाँ अलग थीं। इसलिए किसी प्राचीन कथन का अर्थ समझने के लिए उसके मूल संदर्भ, भाषा, प्रतीकों और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। आधुनिक समय में उसी कथन की शाब्दिक व्याख्या करने से कई बार ऐसी धारणाएँ पैदा हो सकती हैं जो मूल संदर्भ से बिल्कुल अलग हों। इसीलिए धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि ज्ञान, इतिहास, भाषा और दर्शन की दृष्टि से भी होना चाहिए। श्रद्धा मनुष्य को प्रेरणा देती है, जबकि विवेक उसे सही अर्थ समझने में सहायता करता है। दोनों का संतुलन समाज को अधिक परिपक्व बनाता है। सबसे संवेदनशील विषय तब सामने आता है जब किसी धार्मिक कथन की व्याख्या के आधार पर स्त्री-पुरुष असमानता, जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या किसी वर्ग के प्रति घृणा को उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की बुनियाद समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय पर है। इसलिए कोई भी व्याख्या यदि मनुष्य की गरिमा को कम करती है तो उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यहाँ संविधान की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग धर्म, संप्रदाय, भाषाएँ और परंपराएँ साथ-साथ रहती हैं। हमारा सामाजिक जीवन किसी एक धार्मिक ग्रंथ के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक आस्था का अधिकार है, लेकिन साथ ही दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का सम्मान करना भी आवश्यक है। इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और आलोचनात्मक चिंतन के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। किसी को अपनी आस्था रखने से रोका नहीं जाना चाहिए और किसी को अपनी आस्था के नाम पर दूसरे के अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती।

एक और चुनौती है—धार्मिक ग्रंथों की मनमानी व्याख्या। कई बार मूल पुस्तक से अधिक प्रभाव उसकी व्याख्या करने वालों का होता है। एक ही कथन की अलग-अलग विद्वान अलग व्याख्या करते हैं। कोई उसे प्रतीकात्मक मानता है, कोई ऐतिहासिक, कोई आध्यात्मिक और कोई शाब्दिक। ऐसे में यह कहना कि केवल एक व्याख्या ही अंतिम सत्य है, बौद्धिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। समाज में धार्मिक शिक्षा का उद्देश्य भी केवल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति क्या माने, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह क्यों माने। यदि बच्चे प्रश्न पूछेंगे तो उनकी आस्था समाप्त नहीं होगी; बल्कि संभव है कि उनकी समझ अधिक गहरी हो जाए। जिस विश्वास को प्रश्नों से डर लगता है, वह विश्वास कमजोर हो सकता है; लेकिन जो विश्वास प्रश्नों का सामना कर सकता है, वह अधिक परिपक्व और मजबूत बनता है।

बढ़ती कीमतें और भारतीय जन-मानस'

संजीव ठाकुर
लेखक

मानवीय अहंकार के परिणाम स्वरूप अमेरिका-ईरान-इजरायल और यूक्रेन रूस युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों के दाम लगभग विश्व के हर देश में बढ़ गए हैं। इसी परिपेक्ष में भारत में भी बढ़ते पेट्रोल डीजल के दामों के करण भारतीय मध्यम वर्गीय अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक संरचना बृहद रूप में प्रभावित हुई है । पेट्रोल में एथेनॉल मिलने के कारण गन्ने की कीमतों में इजाफा हुआ है और गन्ने की कीमतों में मिजार्पुर होने से शक्कर प्रति किलो 25 से 30 रुपए महंगी हो गई' और महंगाई ने मध्यमवर्गीय परिवार के बजट की खबर तोड़कर रख दिए एक बार महंगाई बढ़ती है तो वापस काम नहीं होती है' अमेरिका-ईरान तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध तथा मध्य-पूर्व में इजरायल से जुड़े संघर्षों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में हुई वृद्धि ने लगभग प्रत्येक देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने विशेष रूप से भारतीय मध्यम वर्ग की आर्थिक और सामाजिक संरचना को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव घरेलू बाजार पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने के साधन नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण आर्थिक गतिविधियों की रीढ़ हैं। परिवहन, कृषि, उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र लगभग सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन पर निर्भर हैं। डीजल की कीमतों में वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर पड़ता है। देश में अधिकांश माल ढुलाई ट्रकों के माध्यम से होती है। जब डीजल महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि खाद्यान्न, फल-सब्जियां, दूध, दालें, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें स्वतः बढ़ने लगती हैं। व्यापारी अतिरिक्त लागत का भार अंततः उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं। इस प्रकार महंगाई का एक ऐसा चक्र प्रारंभ हो जाता है, जिससे सामान्य नागरिक बच नहीं पाता। भारतीय मध्यम वर्ग पहले से ही शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार संबंधी चुनौतियों से जूझ रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने उसकी मासिक आय और व्यय के संतुलन को और बिगाड़ दिया है। जिन परिवारों के पास निजी वाहन हैं, उनके लिए कार्यालय, विद्यालय और अन्य आवश्यक यात्राओं का खर्च बढ़ गया है। वहीं रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि ने घरेलू बजट को प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप परिवारों को अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच समझौता करना पड़ रहा है। महंगाई का सामाजिक प्रभाव भी कम गंभीर नहीं है। जब आय स्थिर हो और खर्च लगातार बढ़ता जाए, तो परिवारों में तनाव बढ़ने लगता है। आर्थिक दबाव पारिवारिक संबंधों, सामाजिक सहभागिता और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। मध्यम वर्ग, जो समाज की स्थिरता और विकास का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है, स्वयं असुरक्षा और भविष्य की चिंताओं से घिर जाता है। कृषि क्षेत्र भी इससे प्रभावित हुआ है। डीजल से चलने वाले पंप, ट्रैक्टर और कृषि यंत्रों की लागत बढ़ने से खेती महंगी हो गई है। उत्पादन लागत बढ़ने पर किसान अपनी उपज का उचित मूल्य चाहते हैं, जिससे बाजार में खाद्य पदार्थों की कीमतों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इस प्रकार महंगाई का प्रभाव खेत से लेकर थाली तक दिखाई देता है। अर्थशास्त्री लंबे समय से कहते रहे हैं कि ऊर्जा की कीमतें किसी भी अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक होती हैं। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह ने अनेक अवसरों पर ऊर्जा सुरक्षा को आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक बताया था। वहीं अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने भी विकास को केवल आय वृद्धि नहीं बल्कि जीवन-स्तर की गुणवत्ता से जोड़कर देखा है। यदि बढ़ती महंगाई लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं को प्रभावित करती है, तो विकास का वास्तविक लाभ समाज तक नहीं पहुंच पाता। आज आवश्यकता इस बात की है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और संघर्ष की राजनीति के स्थान पर संवाद और सहयोग को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही भारत को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक प्रयास करने होंगे। सौर ऊर्जा, जैव ईंधन और विद्युत वाहनों को बढ़ावा देकर पेट्रोलियम पर निर्भरता कम की जा सकती है। बढ़ती पेट्रोलियम कीमतें केवल आर्थिक समस्या नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक स्थिरता और जीवन की गुणवत्ता से भी जुड़ी हुई हैं। युद्धों और वैश्विक तनावों की कीमत अंततः आम नागरिक चुकाता है। इसलिए विश्व शांति, ऊर्जा सुरक्षा और संतुलित आर्थिक नीतियां ही मध्यम वर्ग को राहत प्रदान कर सकती हैं। जब तक पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण नहीं होगा, तब तक महंगाई का दबाव भारतीय मध्यम वर्ग की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करता रहेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक: ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

खादर में बाढ़ का खतरा, गंगा का बढ़ा जलस्तर येलो अलर्ट भी हुआ पार

खतरे के निशान से 20 सेंटीमीटर नीचे पहुंचा जलस्तर, चार हजार बीघा फसल जलमग्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में गंगा का जलस्तर येलो अलर्ट के निशान 198.75 मीटर को पार कर 198.80 मीटर पहुंच गया है। अब गंगा खतरे के निशान 199.00 मीटर से महज 20 सेंटीमीटर नीचे है। जलस्तर बढ़ने से खादर क्षेत्र के गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

पिछले चार दिनों में गंगा के जलस्तर में 25 सेंटीमीटर से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। शुक्रवार को हरिद्वार और बिजनौर बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद जलस्तर में पांच सेंटीमीटर की और बढ़ोतरी हुई। गंगा का पानी खादर क्षेत्र के गांवों के बाहरी हिस्सों, रास्तों और जंगल तक पहुंच गया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंगा के बढ़ते जलस्तर से नयागांव इनायतपुर, अब्दुलापुर, कोथला, रामपुर न्यामतपुर, आलमगीरपुर, मोहम्मदपुर शाकरपुर, लठीरा, कृष्णावाली मंढैया, नयाबांस बख्तावरपुर, चक लठीरा, काकाठेर की मंढैया, गुलालपुर, फरीदपुर एतमोली और गंगानगर के जंगल सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। कई गांवों के बाहरी छोर तक पानी पहुंचने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

गंगा में उफान के कारण करीब चार हजार बीघा जमीन में जलभराव हो गया है। इससे चारा, दलहन और सब्जी की फसलों में गलन की आशंका बढ़ गई है। फसल खराब होने की स्थिति में किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हो सकता है। वहीं, जलभराव के कारण पशुओं के लिए चारे की समस्या भी सामने आने लगी है। ग्रामीण अब गढ़ नगर के आसपास ऊंचाई वाले गांवों में घास काटने के लिए पहुंच रहे हैं। गांवों तक जाने वाले रास्तों पर पानी भरने से लोगों के आवागमन में भी दिक्कत हो रही है। गंगा का पानी जंगल और आबादी के आसपास तक पहुंचने से जलीय एवं जहरीले जीवों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं, सेंचुरी क्षेत्र में जलभराव बढ़ने से वहां रहने वाले तेंदुए सहित अन्य वन्यजीवों के सूखे इलाकों या आबादी की ओर आने की आशंका जताई जा रही है। बुधवार को गढ़-मेरठ मार्ग पर यूकेलिप्टस के पेड़ पर एक तेंदुआ दिखाई दिया था। इसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। ऐसे में आने वाले दिनों में बांगर क्षेत्र में तेंदुओं की मौजूदगी बढ़ने की आशंका से ग्रामीणों में भी चिंता बनी हुई है। प्रशासन द्वारा बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। राहत एवं बचाव व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जलस्तर में और वृद्धि होने की स्थिति में ग्रामीणों को समय से सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचीं जिलाधिकारी कविता मीना, राहत बचाव कार्य तेज करने के दिये निर्देश

हापुड़। जिलाधिकारी कविता मीना ने जनपद के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में राहत कार्यों को पूरी गंभीरता के साथ तेज किया जाए और प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़ संभावित गांवों में राहत सामग्री वितरण, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अस्थायी आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित एवं संभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को समय से राहत सामग्री, भोजन और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में एंटी लार्वा का छिड़काव, चिकित्सा शिविर और साफ-सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों में संक्रमण एवं बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम समय रहते उठाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। किसी भी पीड़ित व्यक्ति को सहायता से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता के अनुसार तत्काल राहत पहुंचाई जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. प्रदीप राय को बधाई देने पहुंचे सीनियर एडवोकेट इरशाद अहमद, वकीलों में उत्साह

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. प्रदीप राय के निर्वाचित होने के बाद उन्हें बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं और वरिष्ठ वकीलों की ओर से डॉ. प्रदीप राय से मुलाकात कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इसी क्रम में सीनियर एडवोकेट इरशाद अहमद भी अपने साथी अधिवक्ताओं के साथ डॉ. प्रदीप राय से मुलाकात करने पहुंचे और उन्हें अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई दी। इस दौरान अधिवक्ताओं ने उम्मीद जताई कि डॉ. राय के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं के हितों और कल्याण से जुड़े मुद्दों को मजबूती से आगे बढ़ाएगा। मुलाकात के दौरान सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ताओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। वकीलों ने बार की एकता, अधिवक्ताओं की सुविधाओं और पेशे से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर नए नेतृत्व से सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई।

वहीं, डॉ. प्रदीप राय ने बधाई देने पहुंचे सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बार की एकता, अधिवक्ताओं के हित और उनकी समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रउइअ को और मजबूत बनाने तथा अधिवक्ताओं के लिए बेहतर माहौल तैयार करने के लिए मिलकर काम किया जाएगा। डॉ. प्रदीप राय के अध्यक्ष बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट बार में अधिवक्ताओं के बीच नई उम्मीदें दिखाई दे रही हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि नए अध्यक्ष अपने कार्यकाल में अधिवक्ताओं से जुड़े मुद्दों और अपनी प्राथमिकताओं को किस तरह आगे बढ़ाते हैं।

जलभराव के बीच उतरा बिजली का करंट, दो बेजुबान बैलों की तड़पकर मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम चकमेंहदूद सानी में जलभराव ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। शुक्रवार को इसी जलभराव के बीच बिजली का करंट उतरने से एक किसान के दो बैलों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में किसान को करीब 60 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष फैल गया और उन्होंने जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने तथा पीड़ित किसान को उचित आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की।

बताया गया कि ग्राम झिल्ला निवासी शोभित पुत्र होशराम शुक्रवार को बैल-बुग्गी लेकर चकमेंहदूद सानी होते हुए अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के फाटक के समीप सड़क पर काफी मात्रा में पानी भरा हुआ था। किसान बैल-बुग्गी को जलभराव से निकालने का प्रयास कर रहे थे। जैसे ही दोनों बैल पानी से होकर आगे बढ़े, अचानक पानी में बिजली का करंट उतर गया। करंट की चपेट में आते ही दोनों बैल बुरी तरह झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अचानक हुए हादसे से किसान घबरा गया और आसपास मौजूद लोगों में भी हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने सुरक्षा की दृष्टि से लोगों को जलभराव वाले स्थान से दूर रहने की सलाह दी।

किसान शोभित के अनुसार मृत दोनों बैलों की कीमत करीब 60 हजार रुपये थी। बैलों की मौत से किसान के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि किसान के लिए बैल केवल पशु नहीं, बल्कि उसकी रोजी-रोटी और कृषि कार्य का महत्वपूर्ण साधन भी थे।

सूचना मिलते ही बंद कराई बिजली आपूर्ति

घटना की सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान मोहम्मद कासिम ने तत्काल विद्युत विभाग को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कराई गई। संबंधित अधिकारियों को भी घटना से अवगत कराया गया। ग्रामीणों ने मांग की है कि जलभराव वाले स्थान पर विद्युत लाइन और अन्य विद्युत उपकरणों की सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी इंसान या पशु के साथ इस तरह का हादसा न हो।

लंबे समय से जलभराव की समस्या से परेशान ग्रामीण

स्थानीय निवासी साजिद ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। बारिश होने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। सड़क पर पानी जमा रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। युवा समाजसेवी अजहर अज्जू ने कहा कि जलभराव के कारण ग्रामीणों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। स्कूली बच्चों को भी पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की।स्थायी जल निकासी की मांग ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव की समस्या का अस्थायी समाधान करने के बजाय स्थायी जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए। साथ ही बिजली विभाग को ऐसे स्थानों पर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है, जहां जलभराव रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभागों से जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने, विद्युत व्यवस्था की जांच कराने और मृत बैलों के मालिक किसान शोभित को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

गोल्डन लायंस क्लब समर्पण के तीज महोत्सव में सावन क्वीन खुशबू कर्णवाल और तीज क्वीन नीति सरीन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

बिजनौर। गोल्डन लायंस क्लब बिजनौर समर्पण द्वारा तीज महोत्सव का भव्य एवं रंगारंग आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। पूर्व जिला अध्यक्ष खुश्बू कर्णवाल, शुचि गोयल व प्रेजिडेंट कनक, सेक्रेटरी प्रीति एवं ट्रेजरर दीपाली द्वारा भगवान गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात जिले के सभी पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। सबी बुजर्गों को दुपट्टा पेहना कर सम्मानित किया गया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह में चार चाँद लगा दिए। तीज के पारंपरिक रंग में सजे इस कार्यक्रम में मनोरंजक खेल, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सावन क्वीन का ताज खुशबू कर्णवाल को, और तीज क्वीन का ताज नीति सरीन को पहनाया गया। जिन्होंने अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और शानदार अंदाज से सभी का दिल जीत लिया। डांस प्रतियोगिता के विजेता नीतू, राशि और विशाखा भी अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से सबका मन मोहने में सफल रहे। लकी ड्रॉ विदेता खुशबू कर्णवाल रही और समय की पाबंदी विजेता सोनम रही। कार्यक्रम की थीम एवं प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। मानसंचल पायल द्वार किया गया आयोजन को सफल बनाने में क्लब की पूरी टीम का विशेष योगदान रहा। सभी सदस्यों ने मिलकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। तीज के कार्यक्रम मे गुंजन, नेहा, दीप्ति, अदिति, अपर्णा, छवि, बरखा, पूजा, स्वाति, सोनम, सीमा, नीति, नीतू, पारुल, पायल, दीपाली, प्रियंका, मोनिका, साक्षी, अमृता, प्रीति सदस्य मौजूद रही।

खबर छपने पर खुली प्रधान की आंखें

पांच साल की बदहाली पर खुली प्रधान की आंखें, गंदे रास्ते का काम शुरू

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नजीबाबाद ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम जगदीशपुर उर्फ बाजोपुर में पिछले करीब पांच वर्षों से गंदगी, कीचड़ और जलभराव का दंश झेल रहे ग्रामीणों को आखिरकार राहत की उम्मीद जगी है। ग्रामीणों की बदहाल स्थिति को जब पत्रकार साथियों ने प्रमुखता से उठाया तो खबर का असर दिखाई दिया। प्रशासन के आदेश के बाद ग्राम प्रधान ने गंदगी और कीचड़ से भरे रास्ते को दुरुस्त कराने का काम शुरू करा दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से रास्ते की हालत बेहद खराब थी। बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव के कारण यहां से निकलना तक मुश्किल हो जाता था। स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई बार शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों में इस बात को लेकर नाराजगी थी कि पांच वर्षों से प्रधान की नाकामी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा था। लोगों का कहना है कि जब उनकी समस्या को प्रमुखता से उठाया गया तो आखिरकार प्रधान की आंखों से पट्टी खुली और बदहाल रास्ते को सही कराने का काम शुरू हुआ।

पत्रकारों का जताया आभार

गंदगी और बदहाल रास्ते का दंश झेल रहे ग्रामवासियों ने समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित करने वाले सभी पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि पत्रकारों ने उनकी आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने का काम किया, जिसके बाद गांव में रास्ते को दुरुस्त कराने की कार्रवाई शुरू हो सकी। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि आगे भी गांव की अन्य समस्याओं को इसी तरह प्रमुखता से उठाया जाएगा।

हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि केवल रास्ता ठीक कराने से समस्या खत्म नहीं होगी। गांव में नियमित सफाई, नालियों की सफाई और जलनिकासी की व्यवस्था भी दुरुस्त कराई जानी चाहिए। अब ग्रामीणों की नजर इस बात पर टिकी है कि शुरू हुआ काम कितनी मजबूती से पूरा होता है और गांव को वास्तव में गंदगी व जलभराव से कब स्थायी निजात मिलती है।

कृष्ण कुमार बिश्नोई होंगे बिजनौर के नए पुलिस अधीक्षक

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार 20 अगस्त की रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए नौ आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस फेरबदल में संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार (केके) बिश्नोई को बिजनौर का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। केके बिश्नोई संभल के एसपी के पद पर रहते हुए कानून-व्यवस्था और संगठित अपराध के मामलों में की गई कार्रवाई को लेकर चर्चा में रहे हैं। हाल ही में मानव तस्करी के एक गिरोह के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने और उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार को लेकर भी उनकी तस्वीरें चर्चा में आई थीं। बिजनौर में अब उनके सामने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, यातायात व्यवस्था और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। सरकार के इस तबादले के बाद जिले में नए पुलिस कप्तान को लेकर पुलिस महकमे के साथ-साथ आम लोगों में भी चर्चा शुरू हो गई है। केके बिश्नोई के कार्यकाल में बिजनौर पुलिस की प्राथमिकताएं क्या रहेंगी और अपराध नियंत्रण को लेकर उनकी रणनीति कैसी होगी, इस पर सभी की नजर रहेगी।

बिजनौर जिले में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाना उनके लिए प्रमुख चुनौती होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही बाजारों और प्रमुख स्थानों पर पुलिस गश्त को मजबूत करना भी जरूरी होगा। इसके अलावा महिलाओं की सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों का पालन कराने पर भी पुलिस प्रशासन को विशेष ध्यान देना होगा। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए साइबर अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और लोगों को जागरूक करने की दिशा में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। माना जा रहा है कि नए पुलिस अधीक्षक अपराधियों के खिलाफ सख्ती के साथ आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान को भी प्राथमिकता दे सकते हैं।

देव नंदिनी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में दीक्षारंभ एवं स्थापना दिवस समारोह

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को नर्सिंग शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुशासन की दी जानकारी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। बंखंडा स्थित देव नंदिनी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शुक्रवार को बीएससी नर्सिंग एवं जीएनएम के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 'दीक्षारंभ एवं स्थापना दिवस-2026' समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी हापुड़ डॉ. किशोर कुमार आहूजा तथा विशिष्ट अतिथि आईएमए अध्यक्ष डॉ. मनोज जैन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर समारोह को सांस्कृतिक रंग दिया।कॉलेज की प्राचार्या प्रो. शाइनी पी.सी. ने संस्थान की स्थापना से अब तक की उपलब्धियों, गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा, क्लिनिकल प्रशिक्षण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। प्रो. दानिश ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, शैक्षणिक व्यवस्था, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट, परीक्षा व उपस्थिति नियम, क्लिनिकल एक्सपोजर, एंटी रैगिंग, यौन उत्पीड़न की रोकथाम तथा विद्यार्थी सुरक्षा संबंधी नियमों से अवगत कराया। वहीं विवेक ने कॉलेज एवं अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों की जानकारी दी।कॉलेज के चेयरमैन डॉ. श्याम कुमार ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना, अनुशासन और जिम्मेदारी से जुड़ा सम्मानित पेशा है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ व्यवहार, कौशल एवं प्रोफेशनल एथिक्स पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। डायरेक्टर डॉ. विमलेश शर्मा ने समय के महत्व और उसके सदुपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देव नंदिनी हेल्थकेयर की स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में वर्षों की व्यावहारिक विशेषज्ञता विद्यार्थियों के क्लिनिकल प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाने में सहायक होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कुशल, संवेदनशील एवं जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मी बनने का आह्वान किया। समारोह में कॉलेज प्रबंधन, शिक्षकगण, नवप्रवेशित विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक मौजूद रहे।

सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना चौपालों का उद्देश्य: धामी

मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत प्रदेश के 13 जिलों में चौपाल-2026 का शुभारंभ, 8 हजार से अधिक महिला उद्यमियों को जोड़ा

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना' के अंतर्गत चौपाल-2026 का शुभारंभ करते हुए कहा कि इन चौपालों का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना है। प्रदेश के सभी 13 जिलों में मुख्यमंत्री उद्यमशाला चौपाल आयोजित की जा रही हैं। योजना के माध्यम से 8 हजार से अधिक महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को उद्यमिता एवं आजीविका के अवसरों से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रचार वैन को गांव-गांव भेजा जा रहा है। उन्होंने देहरादून के आईटी पार्क स्थित तेरह गांव में प्रदेश के सभी जिलों के स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के विपणन के लिए राज्य स्तरीय विपणन केंद्र खोलने की घोषणा भी की।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि उत्तराखंड के गांव अब प्रदेश के विकास में केवल सहभागी नहीं हैं, बल्कि अपने सामर्थ्य और मेहनत के बल पर आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश के युवाओं और मातृशक्ति में हुनर और कुछ नया करने का जज्बा है। स्थानीय उत्पादों में भी देश-दुनिया के बाजार तक पहुंचने की पूरी क्षमता है। जरूरत केवल हुनर को सही दिशा और उचित अवसर देने की है। उन्होंने कहा कि इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना को आगे बढ़ाया है। सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड का युवा रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बने। साथ ही किसानों और महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से प्रदेश में 5 लाख से अधिक ग्रामीण महिलाओं को 70 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जा चुका है। वहीं, 3 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनने में सफल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं पहाड़ी मसालों, मंडुवा, झंगोरा, दाल, शहद, अचार, जैम, हस्तशिल्प, ऊनी उत्पाद और स्थानीय कला को कारोबार का रूप दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण उत्पादों को देश के बड़े शहरों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नाम से अंब्रेला ब्रांड तैयार किया गया है। सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड का उत्पाद खरीदने वाले व्यक्ति को उसमें पहाड़ की मेहनत, संस्कृति, परंपरा और मिट्टी की खुशबू भी महसूस हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण हाट, विपणन केंद्र, कलेक्शन सेंटर और एग्री सर्विस सेंटर जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है, ताकि किसानों और उद्यमियों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिल सके।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण उद्यमिता का एक बड़ा उद्देश्य पलायन रोकना भी है। गांव मजबूत होगा तो उत्तराखंड मजबूत होगा। इसी दिशा में सरकार ग्रामोत्थान परियोजना (रीप) के माध्यम से अति-निर्धन परिवारों को आजीविका से जोड़कर गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाने का काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लखपति दीदियों और महिला उद्यमियों को सम्मानित किया। उन्होंने उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की पुस्तक और वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन भी किया। इसके अलावा एकीकृत कृषि क्लस्टर आधारित प्रशिक्षण एवं मॉड्यूल, शिशु एवं लघु बाल आहार मॉड्यूल तथा महिलाओं एवं बच्चों में एनीमिया की रोकथाम एवं प्रबंधन मॉड्यूल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी, गणेश जोशी, खजान दास, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, सविता कपूर, सचिव ग्राम्य विकास धीराज गर्ब्याल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वृंदावन में निमार्णाधीन ओमेक्स कोर्टयार्ड मॉल में हादसा, मजदूर की मौत, कई घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। वृंदावन कोतवाली क्षेत्र में निमार्णाधीन ओमेक्स कोर्टयार्ड मॉल में शुक्रवार सुबह भीषण हादसा हो गया। करीब छह बजे ढलाई के दौरान अचानक सेट रिंग गिरने से कई मजदूर उसके नीचे दब गए। हादसे में नेपाल निवासी 42 वर्षीय शिवराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई मजदूर घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मॉल में ढलाई का कार्य चल रहा था। हादसे के बाद निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों और मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि मौके पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

बाबा की बुलडोजर नीति के विरोधी करने लगे हैं बुलडोजर कार्यवाही की माँग

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। योजना कितनी भी शानदार हो लेकिन भारतीय राजनीति मे विपक्ष विरोध करेगा। कमोवेश यही हालात जनपद के लीलापुर थानान्तर्गत लक्ष्मणपुर मे हुई सौरभ विश्वकर्मा की हत्या के बाद देखने को मिला। जब धुर विरोधी राजनीतिक दल और उसके विधायक यू.पी. सरकार से सवाल पूछ रहे है कि आखिर हत्यारो पर बुलडोजर कार्यवाही कब होगी। बीते हफ्ते लक्ष्मणपुर के गजाधर इन्टर कालेज के सामने से जा रहे पूर्ति विभाग मे तैनात सौरभ विश्वकर्मा की हत्या (मृतक के परिवार कि तहरीर अनुसार) पूर्व ब्लाक प्रमुख सजय तिवारी उर्फ बडे के परिजनो के ने कर दी थी । जिसमे ईलाज दरम्यान सौरभ विश्वकर्मा ने बयान दिया कि उसे संजय तिवारी के परिजनो ने मारा पीटा । लेकिन दुर्भाग्यवश इलाज दरम्यान ही सौरभ ने दम तोड दिया । जिसके शव को परिजन घर लेकर आए लेकिन हत्यारो की गिरफ्तारी तक दाह संस्कार से इन्कार कर दिया। परिवार के साथ हुई इस अनहोनी मे सिम्पैथीवश विश्वनाथ गज के पूर्व विधायक जो वर्तमान मे रानीगंज से समाजवादी पार्टी के विधायक है पहुंचे और हत्यारो की गिरफ्तारी की माग कर रहे पीड़ित परिवार के साथ मौके पर डट गये । उनके साथ ही सपा के कयी बडे नेता और विश्वकर्मा समाज के सगठनों के अध्यक्ष भी मौके पर डटे रहे और पुलिस अधिकारियों से हाट टाक बात कर उलझते नजर आए । इसी के चलते मृतक का दाह संस्कार इक्यावन घन्टे के बाद बमुश्किल संभव हुआ। यहाँ ये बात गौरतलब है कि मौके पर मौजूद सपा विधायक आर के वर्मा और उनके समर्थकों ने जिला पुलिस के बडे अधिकारियों से सवाल किया कि सौरभ के हत्यारो के घर स्कुल और ईट भट्ठे पर बुलडोजर कब चलेगा। हत्यारो का एन्काउन्टर क्यो नही हो रहा है। जबकि ऐसे मामलो मे बुलडोजर कार्यवाही भी होती है और एन्काउन्टर भी। ये कहते हुए कयी उदाहरण गिनाते हुए कहा गया कि क्या बुलडोजर और एन्काउन्टर की कार्यवाही सिर्फ इसलिए नही हो रही कि मरने वाला ओ बी सी है और मारने वाले ब्राह्मण। जबकि पुलिस ने हत्यारो मे से तीन को त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर लिया था तथा पीडित परिवार की नौकरी जमीन का पट्टा और शस्त्र लाईसेन्स की बात को भी लगभग मानते हुए प्रदेश सरकार से आर्थिक सहयोग दिलाए जाने की भी बात कही थी। इसके बावजूद मौके पर मौजूद विरोधी दल के नेता लगातार इन्सपेक्टर लीलापुर को निलम्बित करने के साथ ही हत्यारो पर बुलडोजर कार्यवाही की माग को लेकर डटे रहे जो पोस्टमार्टम हाऊस तक देखने को मिला।

ऐसे मे एक सवाल उठता है कि यु पी की योगी सरकार की नीति अपराधियों पर बुलडोजर कार्यवाही जिसे देश के कयी राज्यों ने अपनाया जिसका विरोध अक्सर विपक्षी राजनीतिक दलो ने विधानसभा से ससद तक सडको पर तथा मीडिया मे किया है। क्या अब इस बुलडोजर कार्यवाही के समर्थन मे खड़े हो योगी सरकार की इस नीति का समर्थन कर रहे है। सपा विधायक आर के वर्मा और उनके राजनीतिक दल सपा के नेताओं की बुलडोजर कार्यवाही की माग तो यही साबित करती है कि बुलडोजर नीति पर यू पी मे मुख्य विपक्षी दल सपा और उसके नेता योगी सरकार के समर्थन मे है।

रानीगंज में समरसता संकल्प अभियान-कलश यात्रा में शामिल हुए पूर्व विधायक धीरज ओझा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

रानीगंज। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत आज रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के खरहर एवं पूरनपुर पटखान में पहुँची कलश वंदन यात्रा में पूर्व विधायक रानीगंज अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा सम्मिलित हुए। उन्होंने संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज को नमन करते हुए उनके बताए सामाजिक समरसता, समानता एवं सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। पूर्व विधायक धीरज ओझा ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन समाज में समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देता है। भाजपा द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान उनके विचारों और संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष एवं जिला सहप्रभारी अशोक सरोज जी, जिला मंत्री अनिल अंगद मौर्य, पृथ्वीगंज मंडल अध्यक्ष बहन पुष्पा सरोज, मंडल महामंत्री प्रमोद शर्मा, सेक्टर संयोजक उमेश तिवारी, बूथ अध्यक्ष गणेश सरोज सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

खबर का असर: बीएसए ने स्कूल वाहनों की जांच के दिए आदेश

फिटनेस, परमिट समेत सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश, अनफिट वाहनों के संचालन पर रोक

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। इफ्ट स्कूल सेलमगढ़ में बच्चों को लाने-ले जाने में कथित तौर पर निजी बोलेरो और खटारा वाहनों के इस्तेमाल को लेकर प्रकाशित खबर का असर सामने आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कुशीनगर अनिल कुमार सिंह ने जनपद में संचालित विद्यालयी वाहनों की फिटनेस और परमिट की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

बिना फिटनेस-परमिट वाहन चलाने पर होगी कार्रवाई

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से 20 अगस्त 2026 को जारी पत्र में कहा गया है कि विद्यालयों के वाहनों के फिटनेस एवं परमिट के नवीनीकरण के लिए कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद कुछ विद्यालयों द्वारा इस संवेदनशील मामले में उदासीनता बरती जा रही है। पत्र में बिना वैध फिटनेस एवं परमिट के संचालित वाहनों को सड़क सुरक्षा नियमों, उच्चतम न्यायालय के दिशा-निदेर्शों तथा मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन बताया गया है।

सभी विद्यालयों को वाहन संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश

बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि परिवहन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची में शामिल विद्यालयों के विरुद्ध उचित विभागीय कार्रवाई करते हुए अनफिट वाहनों का संचालन तत्काल निषिद्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही विद्यालयों में संचालित वाहनों के फिटनेस, परमिट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच कराई जाए। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि बिना वैध फिटनेस और परमिट के संचालित वाहन कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं और इससे नौनिहालों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। ऐसे में विभाग द्वारा विद्यालयी वाहनों के मामले में सख्ती बरतने के संकेत दिए गए हैं।

बीआरएम स्कूल सेलमगढ़ मामले में भी जांच की उम्मीद

बीआरएम स्कूल सेलमगढ़ में निजी बोलेरो से बच्चों को लाने–ले जाने के आरोपों के बाद अब विभाग के आदेश से इस मामले में भी जांच की उम्मीद बढ़ गई है। यदि जांच में वाहन मानकों के विपरीत पाए जाते हैं तो संबंधित विद्यालय के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो सकती है। अब देखना यह है कि परिवहन विभाग और शिक्षा विभाग की जांच में सेलमगढ़ समेत अन्य विद्यालयों के कितने वाहन फिटनेस और परमिट के मानकों पर खरे उतरते हैं।

बाबा कदेरा सिंह विद्या मंदिर की बेटियों ने रचा इतिहास, अंडर-14 बालिका हॉकी टीम ने जीता स्वर्ण, अब नेशनल में दिखाएगी दमखम

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/सोंख। शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी बाबा कदेरा सिंह विद्या मंदिर, अक्खा सौंख, मथुरा लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विद्यालय की 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिका हॉकी टीम ने नॉर्थ जोन प्रथम सी.बी.एस.ई. हॉकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे ब्रज क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में देश के कई प्रतिष्ठित सी.बी.एस.ई. विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया था। हमारी बालिकाओं ने अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा, टीम वर्क और अदम्य साहस के बल पर सभी टीमों को पराजित कर फाइनल में जीत हासिल की। इस ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में आज विद्यालय परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने विजेता टीम की सभी बालिकाओं को स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर टीम ने अपनी विजेता ट्रॉफी विद्यालय प्रबंधन को सौंपी। चेयरमैन सुरेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी बेटियों ने यह साबित कर दिया है कि यदि अवसर और मार्गदर्शन मिले तो ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा सकती हैं। यह जीत केवल एक मेडल नहीं, बल्कि नारी सशक्तिकरण की मिसाल है। विद्यालय के प्राचार्य रामबाबू ने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

अब मिशन नेशनल- अमृतसर में दिखेगा जलवा

इस स्वर्ण पदक के साथ ही हमारी टीम ने सी.बी.एस.ई. नेशनल हॉकी चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब यह चैंपियन टीम 25 से 31 अक्टूबर तक अमृतसर, पंजाब में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। इस टीम से अब पूरे क्षेत्र को स्वर्ण की उम्मीद है। टीम की इस सफलता के पीछे प्रशिक्षक सुमन की कड़ी मेहनत और अथक परिश्रम है, जिन्होंने बालिकाओं को दिन-रात प्रशिक्षण देकर इस स्तर तक पहुंचाया। समारोह में विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह, प्रबंध निदेशक गौरव सिंह, प्रबंधक प्रहलाद सिंह, वीरपाल सिंह, जी. एस. सत्यानंद शर्मा, प्राचार्य रामबाबू, शिक्षा निदेशक एस. वी. सिंह, प्रधानाध्यापक सुरेंद्र सिंह, कॉर्डिनेटर विपिन सिंह, हॉकी प्रशिक्षक सुमन, हैप्पी सिंह, एन.सी.सी. प्रभारी गोविंद सिंह, रामवीर, ओमप्रकाश, रोहताश, चंद्रेश, योगेश एवं रामानंद सहित समस्त शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में सभी ने बालिकाओं को बधाई दी और नेशनल में जीत के लिए शुभकामनाएं दीं।

एमवीडीए ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

मथुरा (वेलकम इंडिया)। नगर निगम ने नगर आयुक्त के निर्देश पर शहर में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। नगर आयुक्त ने अधिकारियों और प्रवर्तन टीम को सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में पागल बाबा मंदिर से मसानी रोड तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीम ने जयसिंहपुरा स्थित बिरला मंदिर के पास फूड पार्क के आसपास सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया। इस दौरान कई दुकानदारों द्वारा सड़क तक फैलाए गए सामान और अस्थायी ढांचों को हटाया गया। वहीं पागल बाबा मंदिर के सामने रेस्टोरेंट और दुकानदारों द्वारा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण पर भी कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीम ने बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण हटाया। नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को पहले चेतावनी भी दी। चेतावनी के बावजूद सड़क किनारे कब्जा करने वालों का सामान जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों और सड़कों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई से सड़क किनारे आवागमन सुचारू होने की उम्मीद है।

विद्यालय की बुलंद इमारत और शैक्षिक माहौल प्रगति की गवाही दे रहा: संजय द्विवेदी

संत कबीर शंकर दास इंटर कॉलेज में शिक्षक संगोष्ठी आयोजित, प्रधानाचार्य व शिक्षक नेता संजय द्विवेदी का किया गया सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

भानपुर (बस्ती)। संत कबीर शंकर दास इंटर कॉलेज, मुहम्मद नगर में शिक्षक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ए.एच. एग्रीकल्चर इंटर कॉलेज, दुधारा के प्रधानाचार्य एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक सूर्य नारायण मणि त्रिपाठी ने की, जबकि संचालन प्रधान लिपिक गुरु प्रसाद चौधरी ने किया।

मुख्य अतिथि संजय द्विवेदी ने कहा कि विद्यालय ने अल्प समय में विकास की जो मिसाल कायम की है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। विद्यालय की बुलंद इमारत और यहां का शैक्षिक माहौल उसकी प्रगति की गवाही दे रहा है। उन्होंने कहा कि सूर्य नारायण मणि त्रिपाठी जैसे व्यक्ति ने उनके जैसे लोगों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जीवन में उन्हें कई सम्मान मिले हैं, लेकिन इस सम्मान को वह हमेशा याद रखेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश विद्यालय प्रबंधक महासभा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सूर्य नारायण मणि त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालय की प्रगति में संजय द्विवेदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में साहित्य, वाणिज्य और विज्ञान वर्ग की बेहतर पढ़ाई कराई जा रही है। रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अधियाचन भी भेजा गया है। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद अतिथि का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राम लाल निरंजन, इन्द्र बहादुर, पवन कुमार, फागू चौहान, वीरेंद्र बहादुर, करुणेश कुमार, जय प्रकाश चौधरी, प्रदीप कुमार, खुशबू अम्बर, वंदना चौधरी, राम बेचन, शशिधर दूबे, अजीत कुमार, पवन कुमार मौर्य, राम प्रकाश, मेवा लाल, योगेन्द्र प्रसाद सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और लोग मौजूद रहे।

78 वर्षीय बुजुर्ग से मारपीट और दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाने का आरोप, एसएसपी से की गई शिकायत

मथुरा (वेलकम इंडिया)। रिफाइनरी थाना क्षेत्र में 78 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मारपीट करने और उन्हें नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में झूठा फंसाने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई है। साउथ सिटी पुष्पांजलि निवासी योगेश वार्ष्णेय ने पड़ोसी भरत सिसौदिया, उनकी किरायेदार ऊषा देवी समेत अन्य लोगों पर साजिश के तहत उनके पिता विशम्भर दयाल के साथ मारपीट करने और झूठे मुकदमे में फंसाने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, 15 अगस्त 2026 को दोपहर करीब तीन बजे विशम्भर दयाल पार्क में हनुमानजी की मूर्ति के पास बने चबूतरे पर बैठे थे। आरोप है कि इसी दौरान भरत सिसौदिया, ऊषा देवी और अन्य महिलाओं ने उनके साथ लाठी–डंडों से मारपीट की। इसके बाद उनके खिलाफ रिफाइनरी थाने में धारा 376 और पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पुलिस ने मामले की समुचित जांच किए बिना ही एफआईआर दर्ज कर उनके पिता को बंद कर दिया। योगेश वार्ष्णेय का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने पर जब वह मौके पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई, जिससे उन्हें चोटें आईं। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से जेवरात को लेकर विवाद चला आ रहा है। शिकायतकर्ता ने एसएसपी से मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने, उनके पिता को मुकदमे से बाहर किए जाने तथा दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम चौपाल में सचिव राजेश गौतम ने सुनीं समस्याएं

ग्रामीणों ने सड़क, नाली, सफाई, पेयजल और सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत मटिया लालपुर में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत सचिव राजेश गौतम की मौजूदगी में आयोजित चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं को सीधे सुनना और संबंधित विभागों के माध्यम से उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करना रहा। ग्राम चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने गांव से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर अपनी बात रखी। ग्रामीणों ने सड़क, नाली, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, राशन, पेंशन सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मुद्दे सामने रखे। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में चौपाल जैसे कार्यक्रम होने से उन्हें अपनी समस्याएं अधिकारियों और पंचायत स्तर के जिम्मेदार कर्मचारियों तक सीधे पहुंचाने का अवसर मिलता है। सचिव राजेश गौतम ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को अवगत कराया जाएगा। चौपाल में ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने, गांव में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने को लेकर भी जागरूक किया गया। सचिव ने कहा कि ग्राम चौपाल सरकार और ग्रामीणों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसका उद्देश्य गांव की वास्तविक समस्याओं को सामने लाकर उनका समाधान सुनिश्चित करना है। ग्रामीणों ने भी ग्राम चौपाल के आयोजन को उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए, ताकि गांव की समस्याओं को समय रहते जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने विकास कार्यों को लेकर अपने सुझाव भी दिए। ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित इस चौपाल में ग्रामीणों की भागीदारी से माहौल सक्रिय रहा। पंचायत सचिव ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि सामने आई समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए उनके निस्तारण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने पंचायत स्तर पर इस तरह की चौपाल आयोजित किए जाने की सराहना की।

ईदमिलादुन्नवी एवं रक्षाबंधन को लेकर पीस बैठक का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। अमरिया थाना परिसर में शुक्रवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी 12 वफात एवं रक्षाबंधन को लेकर पीस बैठक थाना प्रभारी अमित सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। थाना अध्यक्ष अमित सिंह द्वारा क्षेत्र से आए उलमाओं एवं संभ्रांत लोगों के साथ बैठक कर आगामी त्यौहारों को लेकर शांति बनाए रखने की अपील की गई। क्षेत्र में निकलने वाले जुलूस ए मोहम्मदी को लेकर थाना अध्यक्ष ने कहा जुलूस को किसी नए रास्ते पर ना ले जाएं तथा जो भी परम्परागत रास्ते हैं जिन रास्तों पर पहले से जुलूस निकाला जाता रहा है उन्हीं रास्तों से जुलूस को लेकर निकालें किसी अन्य रास्तों पर कोई भी नई परंपरा को नहीं डाली जाए। उन्होंने कहा रक्षाबंधन एवं ईद मिलादुन्नबी के त्यौहार को शांति और आपसी सौहार्द के साथ मनाएं। पीस बैठक में अमरिया जमा मस्जिद के शाही इमाम सहित क्षेत्र के दर्जनों और उलमाओं मंदिरों के पुजारी आदि ग्राम प्रधान और संभ्रांत लोग शामिल हुए।

कांवड़ यात्रा से लौटे कांवड़ियों ने कराया विशाल भंडारा

भंडारें में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, बड़ी संख्या में भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुरैया पीलीभीत। तहसील पूरनपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुरैया खुर्द कला में कांवड़ यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं की ओर से नाग पंचमी देवी स्थान पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर लौटे कांवड़ियों ने ग्रामीणों के सहयोग से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और आसपास के श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही नाग पंचमी देवी स्थान पर श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई। पूजा-अर्चना के साथ भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। इस दौरान पूरा परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजता रहा। भंडारे के आयोजन में जितेंद्र सिंह, बहोरन लाल वर्मा, रोशन लाल वर्मा, मुन्ना लाल वर्मा, देवदास वर्मा, शिव कुमार वर्मा, दीपू सिंह, निखिल सिंह, अतुल सिंह, आकाश सिंह, रिंकू वर्मा, मुनीश वर्मा, शिवशंकर दास बाबा, आदेश कश्यप, हंसराज कश्यप, डॉ. प्रदीप वर्मा, विनोद वर्मा, संतोष बीडीसी, रामकरण वर्मा, रामपाल, बम-बम भोले, विद्यासागर भारती और प्रधानपति अरविंद वर्मा समेत तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे। ग्रामीणों ने आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग किया और श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे। धार्मिक आयोजन के दौरान पूरे गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं।

विकास भवन में आयोजित हुई मुख्यमंत्री उद्यमशाला चौपाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। विकास भवन सभागार में शुक्रवार को मुख्यमंत्री उद्यमशाला चौपाल-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बागेश्वर विधायक पार्वती दास एवं जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से चौपाल को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। योजना के माध्यम से ग्रामीण युवाओं एवं स्थानीय उद्यमियों को व्यवसाय कौशल प्रशिक्षण, मेंटरशिप एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ ही पलायन पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक 3 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। गांवों में तैयार होने वाले स्थानीय उत्पाद देशभर में अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार एवं स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस अवसर पर विधायक पार्वती दास ने मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों को योजना की जानकारी देने तथा पात्र लोगों को योजना से जुड़ने एवं पंजीकरण के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों दरवान सिंह, बलवंत सिंह, दया दानु, कंचन उपाध्याय, भावना परिहार, मनीषा वनकोटी हीरा सिंह, कौशल्या देवी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। चौपाल में कृषि एवं गैर-कृषि आधारित ग्रामीण उद्यमों को प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता का मजबूत इकोसिस्टम विकसित करने पर चर्चा की गई। और उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विशाखा खेतवाल, मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी, विषय विशेषज्ञ, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एवं स्थानीय उद्यमी उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर निकाला विशाल जुलूस

जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। फुलवाड़ी, फुलचौंरा, थलीधार, खाईधार, सापुली, गठण और ठांगधार के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर गांव से जिला मुख्यालय पहुंचकर विशाल जनाक्रोश रैली निकाली। अपनी मांग को लेकर दानपुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों के लोग जुलूस में शामिल हुए। शुक्रवार को भराड़ी टेक्सी स्टैंड से तहसील होते हुए जुलूस में नारेबाजी करते हुए पैदल जिलाधिकारी कार्यालय तक रैली निकाली। जहाँ जोरदार प्रदर्शन किया। सभा की गई। रैली को कांग्रेस, उक्रांद, संघर्ष वाहिनी के कार्यकताओं और पूर्व विधायक शेर सिंह गड़िया ने आंदोलन को समर्थन दिया। जहाँ जिलाधिकारी कार्यालय में एकत्रित होकर सभा हुई। सभा के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र सैन्य बाहुल्य है, लेकिन सड़क नहीं होने से सेवानिवृत्त सैनिकों समेत ग्रामीणों को गांव पहुंचने के लिए करीब पांच किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। ढलान वाला रास्ता असुरक्षित है और अकेले आवागमन करना मुश्किल होता है।

ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 2006 से लगातार सड़क की मांग उठाई जा रही है, लेकिन 20 साल बाद भी सड़क नहीं बन पाई है। ग्रामीणों ने कहा कि सात मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में सड़क निर्माण को लेकर आश्वासन और घोषणाएं हुईं, लेकिन धरातल पर काम नहीं हुआ। वर्ष 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी और भगत सिंह कोश्यारी को ज्ञापन दिया गया। इसके बाद भुवन चंद्र खंडूड़ी, विजय बहुगुणा, हरीश रावत और त्रिवेंद्र सिंह रावत के कार्यकाल में भी सड़क को लेकर प्रस्ताव और घोषणाएं हुईं। उन्होंने सड़क नही बनाए जाने तक अपना आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। वर्ष 2019 में विधायक बलवंत सिंह भौर्याल ने सड़क का उद्घाटन कराया। पांच दिसंबर 2019 को बुलडोजर से कुछ खुदाई के बाद यह कहकर मशीन वापस भेज दी गई कि अगले दिन काम शुरू होगा, लेकिन आज तक काम शुरू नहीं हुआ। वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सड़क निर्माण की घोषणा की थी, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अब तक सड़क धरातल पर नहीं उतर सकी है। इस दौरान फुलवाड़ी संघर्ष समिति के संरक्षक चरण सिंह बघरी, अध्यक्ष पूर्व कैप्टन रतन सिंह दानू, उपाध्यक्ष शेर सिंह दानू, गजेंद्र सिंह धामी, पूर्व बिधायक शेर सिंह गढ़िया, पूर्व जिपं अध्यक्ष हरीश ऐठानी, कोषाध्यक्ष मदन सिंह धामी, सचिव करम सिंह दानू, ग्राम प्रधान कुंदन सिंह बिष्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य महेश गड़िया, जिला पंचायत सदस्य नीमा गड़िया समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनता के दरबार में पहुंचे धनपति वर्मा, बोले-जनसेवा ही हमारा संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने शुक्रवार 21 अगस्त को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र 128 के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर व्यापक जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों की जानकारी ली। गांव-गांव पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। धनपति वर्मा ने ग्राम तेरह सौ, भकतनिया, चहलोरा, कैमा, डंडिया, धनकुना, सखौला, गुलड़िया दुल्हन, धनकुनी, रौतनीय, मडरिया, बिथरा, हाशिमपुर, महेशपुर, उलैहतापुर, भमौरा, सेमपुर एवं खजुआ दीननगर सहित कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने लोगों से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के साथ ही किसानों, युवाओं, मजदूरों और आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि क्षेत्र की जनता से निरंतर संवाद करना और उनकी समस्याओं को समझना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव जाकर लोगों से मिलना, उनकी परेशानियों को सुनना और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करना ही सच्ची जनसेवा है। जनता की समस्याओं को केवल चुनाव के समय सुनने के बजाय पूरे समय उनके बीच रहकर काम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, नौजवानों, मजदूरों, महिलाओं और आम जनता के हितों की आवाज मजबूती से उठाती रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और कृषि से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को संबंधित स्तर तक पहुंचाने और समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। धनपति वर्मा ने कहा कि आने वाले समय में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं को जनता के बीच सक्रिय रहकर जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और जनता से सीधा जुड़ाव ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होती है। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न स्थानीय मुद्दों पर चर्चा हुई। धनपति वर्मा ने कहा कि जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर उनकी आवाज को मजबूती देना ही उनका प्रमुख उद्देश्य है।

बीआरसी में 40 दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, 17 को मौके पर मिले प्रमाणपत्र

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। समग्र शिक्षा अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से नगर स्थित बीआरसी केंद्र पर दिव्यांग बच्चों के परीक्षण एवं पंजीकरण के लिए विशेष मेडिकल एसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी दिव्यांगता का सत्यापन किया। खंड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेन्द्र सिंह के निर्देशन में आयोजित शिविर में कुल 40 दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जांच और परीक्षण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद 17 दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र मौके पर ही जारी कर दिए गए। प्रमाणपत्र मिलने के बाद बच्चों और उनके अभिभावकों के चेहरे पर खुशी नजर आई। शिविर में शेष 23 बच्चों के प्रमाणपत्र जारी करने सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि दिव्यांगता प्रमाणपत्र बच्चों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रमाणपत्र के आधार पर पात्र बच्चों को शासन द्वारा संचालित सुविधाओं, सहायता उपकरणों और अन्य योजनाओं से लाभान्वित किया जा सकता है। शिविर में मौजूद अधिकारियों और विशेषज्ञों ने अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। साथ ही उन्हें बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास से संबंधित सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। दूर-दराज क्षेत्रों से आए अभिभावकों ने कैंप को उपयोगी बताते हुए कहा कि एक ही स्थान पर स्वास्थ्य परीक्षण और प्रमाणपत्र की प्रक्रिया होने से उन्हें काफी सुविधा मिली। इस मौके पर डीडीएम अंकुर भटनागर, विशेष शिक्षक राजेन्द्र कुमार, विजय कुमार गुप्ता, राम गोपाल पाण्डेय, राजेश कुमार, रामदास, अनिल कुमार सोनकर सहित चिकित्सक डा. संजीव कुमार, डा. संजीव कुमार सक्सेना, डा. सुरभी सिंह, डा. प्रवीन शर्मा और डा. सचिन कुमार प्रजापति मौजूद रहे। अधिकारियों ने दिव्यांग बच्चों को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई जारी रखने की बात कही।

टांडा में कई किसानों ने ली भाकियू की सदस्यता, संगठन को मजबूत करने पर दिया गया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा (रामपुर)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रदेश महासचिव हसीब अहमद और जिलाध्यक्ष दरबारीलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में जिले भर में किसान संगठन से तेजी से जुड़ रहे हैं। किसानों में संगठन के प्रति बढ़ता विश्वास साफ नजर आ रहा है। शुक्रवार को टांडा में नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर जमीर अहमद, नाज़िम, मोहम्मद हारून और कारी अफसर को भारतीय किसान यूनियन की औपचारिक सदस्यता प्रदान की गई। नगर अध्यक्ष के मार्गदर्शन में भाकियू के कार्यकताओं ने नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें संगठन की विचारधारा से अवगत कराया। नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला ने सभी नए सदस्यों और कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि वे भाकियू की नीतियों और सिद्धांतों पर चलते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं। उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा के लिए एकजुट रहने पर जोर दिया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला सहित युवा नगर अध्यक्ष फरीद खां, भूरा खान, मास्टर रफीक और कारी इरफान आदि कार्यकर्ता विशेष रूप से मौजूद रहे।

कलीनगर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पूर्णेन्द्र शर्मा समेत अन्य पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कलीनगर अधिवक्ता संघ के चुनाव में निर्वाचित पदाधिकारियों का शुक्रवार को तहसील परिसर में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। चुनाव अधिकारी अनुज पांडेय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष पूर्णेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयदेव पासवान, कोषाध्यक्ष जयपाल सिंह यादव समेत अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अधिवक्ता संघ के चुनाव में पांच मई को मतदान और मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए गए थे। अध्यक्ष पद पर पूर्णेन्द्र शर्मा और अनिल पांडेय के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था। पूर्णेन्द्र शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अनिल पांडेय को महज दो मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की थी। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर जयपाल सिंह यादव ने सुनील कुमार राठौर को तीन मतों से हराया था। मतगणना के दौरान एक मत निरस्त किया गया था। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर जयदेव पासवान, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सत्यपाल राजपूत तथा महामंत्री पद पर महेंद्र पाल वर्मा निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए थे। परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और विजयी प्रत्याशियों को फूल-मालाएं पहनाकर मिठाई बांटी थी। शुक्रवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अधिवक्ता हितों के साथ ही संघ की गरिमा और एकता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पासवान, बबलू पांडेय, प्रशांत सिंह, मनोज मिश्रा, दोदराज कुशवाहा, हरीश बाबू, रामनरेश, प्रेमपाल वर्मा, अनुज पांडेय, देव स्वरूप आर्या, प्रिंस समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

रानीवाला-अनूपशहर संपर्क मार्ग में जगह-जगह बने हुए है गड्ढे, ग्रामीणों ने उठाई मरम्मत की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। मेरठ-बदायूं हाईवे स्थित रानीवाला चौक से अनूपशहर संपर्क मार्ग को जाने वाली सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार है। मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, जबकि कई स्थानों पर सड़क जमीन में धंसने के साथ ही उखड़ गई है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यह संपर्क मार्ग करीब आधा दर्जन गांवों को जोड़ता है। मार्ग पर रानीवाला, मीरपुरा, बोहिच, हजरतपुर, मामऊं और दरवेशपुर समेत कई गांव पड़ते हैं। खास बात यह है कि यह मार्ग सांसद भोला सिंह के गांव को भी जोड़ता है। यह सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनाई गई थी ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के समय इसकी गारंटी करीब पांच वर्ष की बताई गई थी, लेकिन लगभग दो वर्ष में ही सड़क पर गड्ढे बनने शुरू हो गए। मामऊं से लेकर रानीवाला संपर्क मार्ग तक कई स्थानों पर सड़क की हालत खराब है। हजरतपुर गांव में सीसी रोड के साथ-साथ काली सड़क में भी गड्ढे और उखड़ी हुई सड़क साफ दिखाई देती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की स्थिति खराब होने के बावजूद संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने इसकी मरम्मत कराने की जहमत नहीं उठाई। वही मामऊं गांव को जाने वाले पुराने संपर्क मार्ग की लंबाई करीब एक किलोमीटर का टुकड़ा भी जर्जर हालत में है जिस पर खाली निकलना भी दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। उन्होंने सांसद भोला सिंह से भी मामले का संज्ञान लेकर संबंधित विभाग से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर याद किए गए बाबूजी, ग्राम सुरजावली में हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद/बुलंदशहर। ग्राम सुरजावली में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबू कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर विशेष श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सैकड़ों लोगों ने अपने लोकप्रिय जननायक को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्राम प्रधान गजराज सिंह लोधी के आवास पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गजराज सिंह प्रधान ने बाबू कल्याण सिंह के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर, माल्यार्पण करके किया। अपने संबोधन में उन्होने कहा कि बाबू कल्याण सिंह अमर हैं । उन्होने मुख्यमंत्री के रूप में जिस निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने का कार्य किया वो अविस्मरणीय और बेमिसाल है। राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण में सहयोग कर उन्होने जन जन तक अपनी लोकप्रियता और रामभक्त की पहचान बनाई। सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण प्रदान कर राममंदिर निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान किया। इस अवसर पर मौजूद सभी लोगों ने बाबूजी को श्रृद्धा सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दो मिनट का मौन रखकर दी। इस अवसर पर ब्रह्म सिंह, वीरेंद्र लोधी राहुल सिंह सुनील लोधी देव ऋषि लोधी गौरव सिम्पी, भोला, प्रेमपाल हिमांशु देवदत्त विनय बददनबाबा आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अनामिका शुगर मिल ने निकाली कृषक जागरूकता रैली

वेलकम इंडिया संवाददाता

अगौता। शुक्रवार को अनामिका शुगर मिल की ओर से गेट जोन के ग्राम नगला करन में मानसून एवं शरदकालीन गन्ना बुवाई को लेकर कृषक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से किसानों को गन्ने की उन्नत बुवाई, बेहतर उत्पादन और समय से फसल प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया गया। रैली में गन्ना विकास प्रबंधक नीरज उज्वल, सहायक गन्ना प्रबंधक अमित हुड्डा, सहायक गन्ना अधिकारी गौरव मलिक, ब्लॉक इंचार्ज उपदेश वर्मा और सर्किल इंचार्ज रामगोपाल सहित क्षेत्र के सैकड़ों किसान मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों से वैज्ञानिक विधि अपनाकर गन्ने की बुवाई करने और मिल द्वारा बताए गए कृषि सुझावों का पालन करने की अपील की।

16.70 करोड़ की लागत से बदली सूरजवाली की सूरत

विधायक के अथक प्रयासों से बदली गांव की तस्वीर, लगातार हो रहे विकास कार्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री अनिल शर्मा के पैतृक गांव सूरजवाली में पिछले पांच वर्षों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कई विकास कार्य कराए गए हैं। ग्राम पंचायत में अब तक करीब 16 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य हुए हैं। इनमें सड़क, शिक्षा, बिजली और जनसुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं। शिकारपुर विधायक अनिल शर्मा के पैतृक गांव में अब तक करीब 16 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य हुए हैं। गांव में सड़क संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य कराए गए। इनमें सलेमपुर-सूरजवाली-हुर्थला-आंचरू मार्ग के चौड़ीकरण पर 14.41 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके अलावा सूरजवाली से मोरोनी तक सड़क निर्माण पर एक करोड़ रुपये तथा सूरजवाली से पूठरी तक सड़क निर्माण पर 15 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इसी क्रम में एसएलएन पब्लिक स्कूल से साधन सहकारी समिति तक 25 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड का निर्माण कराया गया है। वहीं रवि प्रकाश के घर से चामुंडा मंदिर तक आठ लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कराया गया है। इन सड़कों के निर्माण से गांव में आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है। ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए गांव में 23 लाख रुपये की लागत से अंत्येष्टि स्थल का निर्माण एवं विकास कराया गया है। वहीं जाटव समाज के श्मशान घाट के विकास के लिए भी आठ लाख रुपये के कार्य कराए गए हैं। भूमिया देवता स्थल पर 10 लाख रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग का कार्य कराया गया है। विधायक अनिल शर्मा के अनुसार गांव की विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने के लिए करीब 10 लाख रुपये की लागत से ट्रांसफार्मर की स्थापना की गई है। शिक्षा के क्षेत्र में अलंकार योजना के अंतर्गत विद्यालय में 25 लाख रुपये की लागत से ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जा रहा है। यह कार्य अभी निमार्णाधीन है। गांव के युवाओं और ग्रामीणों को स्वास्थ्य एवं व्यायाम की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पांच लाख रुपये की लागत से ओपन जिम की स्थापना भी की गई है। पिछले पांच वर्षों में कराए गए इन विकास कार्यों से सूरजवाली में सड़क, शिक्षा, बिजली और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूती मिली है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कराए गए विकास कार्यों से ग्रामीणों को सुविधाएं मिलने के साथ गांव की तस्वीर में भी बदलाव दिखाई दे रहा है।

बाबूजी कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बुलंदशहर (वेलकम इंडिया)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल, पद्म विभूषण से अलंकृत श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि पर काली नदी स्थित उनकी प्रतिमा पर दूध से अभिषेक कर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष महेश चंद लोधी ने कहा कि बाबूजी का पूरा जीवन राष्ट्रहित, जनसेवा और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। राम मंदिर आंदोलन में उनके त्याग और योगदान को देश सदैव याद रखेगा। उन्होंने कहा कि बाबूजी की स्मृति में मनाए जाने वाले 'हिंदू गौरव दिवस' पर सभी देशवासियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर अगौता खंड अध्यक्ष गौरी शंकर लोधी, प्रेम कुमार, हरेंद्र चौधरी, सचिन, नीतू, मुकेश, मोहित आदि मौजूद रहे।

संतुष्टि इंस्टीट्यूट में भावपूर्ण फेयरवेल समारोह, विद्यार्थियों को सेवा और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल विद्यार्थियों की उपलब्धियों का हुआ सम्मान, संजय सिंह बबलू ने मानव सेवा को बताया सबसे बड़ी जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। नेवादा, सुंदरपुर स्थित संतुष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में 21 अगस्त, शुक्रवार को अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए भावपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण फेयरवेल पार्टी और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह बबलू रहे। समारोह के दौरान पिछले सत्र में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को दुपट्टा पहनाकर एवं साफा लगाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान की निदेशक डॉ. रितु गर्ग ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि संस्थान से निकलने के बाद विद्यार्थी अपने ज्ञान, संस्कार और सेवा भावना के माध्यम से समाज में अपनी अलग पहचान बनाएं। डॉ. संजय गर्ग ने भी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं डॉ. प्रियांश गर्ग ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, निरंतर मेहनत करने और अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने का संदेश दिया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि संजय सिंह बबलू ने छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र सेवा, समर्पण और मानवता से जुड़ा हुआ है। विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की सेवा के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कार्य करने वालों की जिम्मेदारी केवल अपने पेशे तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। फेयरवेल समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत और विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और भावनाओं का खूबसूरत संगम देखने को मिला। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और संस्थान एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य अजीश, ऋषिभा, आंचल, अमृता, अंजू, नितेश, किरण, प्रिया, प्रशांत, देवेंद्र, आलोक, ज्योति, रुचि सहित समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे। शिक्षकों ने कहा कि फेयरवेल केवल विदाई का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की अब तक की उपलब्धियों का सम्मान करने और उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं देने का अवसर है। संस्थान से निकलने वाले प्रत्येक विद्यार्थी की सफलता ही संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम का समापन छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने समारोह में बढ़-चढ़कर भागीदारी की और फेयरवेल की यादों को अपने जीवन का खूबसूरत हिस्सा बनाया।

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

रोहनिया/वाराणसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण से सम्मानित कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि शुक्रवार को रोहनिया केशरीपुर स्थित भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय पर श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने की। उन्होंने बाबूजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहा कि आज के समय में कल्याण सिंह जैसा नेता बनना मुश्किल है। उन्होंने प्रदेश के लिए जो काम कर दिखाया, उसे कोई नहीं कर सकता।भाजपा एमएलसी धर्मेन्द्र सिंह ने भी कल्याण सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके फैसले आज भी प्रदेश की राजनीति और प्रशासन के लिए मार्गदर्शक हैं।जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने कहा कि बाबूजी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके आदर्श और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता संजीव सिंह गौतम, जिला मंत्री अश्वनी पांडेय, संदीप सिंह 'मिंटू', जिला महामंत्री महिला मोर्चा रेखा चौहान, खुशबू सिंह, अशोक सिंह, विनय सिंह 'हिटलर', उमाशंकर पटेल, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', अमित पटेल 'रिंकू', सुरेन्द्र पटेल, जगदीश जायसवाल, वीरेंद्र पटेल, अमित सिंह 'पीयूष', किशन सिंह, कुलदीप पटेल, अजय पटेल, ओमप्रकाश पटेल, शिवधनी पटेल, नानक पटेल समेत भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संजय सोनकर ने किया एवं समापन मंडल अध्यक्ष रोहनिया प्रदीप प्रजापति ने किया।

वाराणसी में 22 से 24 अगस्त तक सजेगा 'ओडिशा परब', दिखेगी संस्कृति, शिल्प और स्वाद की भव्य झलक

32 स्टॉलों पर सजेगी ओडिशा की कला और व्यंजन, ओडिसी, गोतिपुआ व संबलपुरी नृत्य से गूंजेगी काशी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। ओडिशा सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से वाराणसी में 'ओडिशा परब' का आयोजन 22 से 24 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। तीन दिवसीय इस उत्सव में ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्प, खान-पान, प्रदर्शन कलाओं और पर्यटन स्थलों की भव्य झलक देखने को मिलेगी। आयोजन का उद्देश्य ओडिशा और उत्तर प्रदेश के बीच सांस्कृतिक एवं पर्यटन संबंधों को और मजबूत करना है। ओडिशा पर्यटन विभाग द्वारा उद्योग साझेदार के रूप में एफआईसीसीआई के सहयोग तथा ओडिया भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विभाग, हथकरघा, वस्त्र एवं हस्तशिल्प विभाग, मिशन शक्ति, ओडिशा ग्रामीण विकास एवं विपणन समिति और ओडिशा पर्यटन विकास निगम की भागीदारी से यह आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय ओडिशा परब में कुल 32 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें 22 हस्तशिल्प और 10 व्यंजन स्टॉल होंगे। हस्तशिल्प प्रदर्शनी में पट्टाचित्र, ताड़पत्र नक्काशी, धोकरा, चांदी की बारीक कारीगरी, हथकरघा, कोटपैड वस्त्र, पीतल एवं कांस्य शिल्प, जूट उत्पाद सहित कई पारंपरिक और समकालीन कलाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। आगंतुकों को पट्टाचित्र, ताड़पत्र नक्काशी, चांदी की कारीगरी और धोकरा शिल्प के प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखने का अवसर भी मिलेगा। वे कारीगरों से सीधे संवाद कर इन कलाओं के पीछे छिपे पारंपरिक ज्ञान, कौशल और मेहनत को करीब से समझ सकेंगे। व्यंजन स्टॉलों पर पारंपरिक उड़िया भोजन, पीठा, मिठाइयां, दहीबड़ा-आलूदम, पारंपरिक नाश्ते, बाजरा आधारित उत्पाद और कोरापुट कॉफी सहित विभिन्न क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिलेगा।

ओडिसी और गोतिपुआ नृत्य होंगे आकर्षण

कार्यक्रम में ओडिशा की समृद्ध प्रदर्शन कला भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। ओडिसी नृत्य के साथ गोतिपुआ और संबलपुरी नृत्य की प्रस्तुतियां दर्शकों को ओडिशा की लोक एवं पारंपरिक संस्कृति से रूबरू कराएंगी। काशी में आयोजित होने वाले इस आयोजन को विशेष महत्व दिया जा रहा है, क्योंकि वाराणसी और ओडिशा के बीच गहरा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संबंध रहा है। महादेव की नगरी काशी और भगवान जगन्नाथ की भूमि ओडिशा, दोनों ही भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

पर्यटन स्थलों की भी मिलेगी जानकारी

ओडिशा परब में राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। पुरी और कोणार्क के आध्यात्मिक एवं विरासत स्थलों के साथ रत्नागिरी, उदयगिरि और ललितगिरि की बौद्ध विरासत तथा चिल्का, भीतर्कनिका और सिमिलिपाल जैसे प्राकृतिक एवं वन्यजीव स्थलों की जानकारी दी जाएगी। पर्यटन रोडशो के माध्यम से ओडिशा के प्रमुख पर्यटन स्थलों, पर्यटन उत्पादों और उभरते अवसरों को भी सामने रखा जाएगा। आयोजन में प्रवासी सम्मेलन का भी आयोजन होगा, जिसमें वाराणसी और आसपास रहने वाले ओडिया समुदाय एवं ओडिशा से जुड़े लोगों के साथ संवाद किया जाएगा।

पर्यटन कारोबार को भी मिलेगा मंच

आयोजन के दौरान व्यवसाय से व्यवसाय और व्यवसाय से सरकार स्तर के विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारक, उद्योग प्रतिनिधि, निवेशक, टूर ऑपरेटर, आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े लोग और सरकारी प्रतिनिधि भाग लेंगे। इन सत्रों के माध्यम से साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा के साथ ओडिशा और उत्तर प्रदेश के बीच पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। ओडिशा परब के माध्यम से कारीगरों, बुनकरों, महिला समूहों, उद्यमियों और ग्रामीण समुदायों को भी मंच मिलेगा। शिल्प और हथकरघा से लेकर भोजन, प्रदर्शन कला, ग्रामीण उद्यम और पर्यटन तक, आयोजन के विभिन्न माध्यमों से ओडिशा की विविधता को प्रस्तुत किया जाएगा। ओडिशा परब के गुवाहाटी, बेंगलुरु और अहमदाबाद में आयोजित पिछले संस्करणों को भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

वाराणसी संस्करण इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए ओडिशा और उत्तर प्रदेश के बीच सांस्कृतिक, पर्यटन और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। ओडिशा सरकार का पर्यटन विभाग और सहयोगी संस्थाएं वाराणसी सहित देशभर से आने वाले पर्यटकों को ओडिशा परब में शामिल होने और राज्य की संस्कृति, स्वाद, शिल्प, प्रदर्शन कला एवं पर्यटन की विविधता को करीब से जानने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में भव्यता एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल के डायमंड हॉल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 का आयोजन भव्य एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मार्च पास्ट, बैंड प्रदर्शन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज पहनाकर पद एवं कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई। छात्र परिषद में कक्षा 1 से 5 तक हेड बॉय कनव एवं हेड गर्ल काश्वी, कक्षा 6 से 8 तक हेड बॉय अदम्य पाठक एवं हेड गर्ल आरोही तथा कक्षा 9 से 12 तक हेड बॉय हर्षित एवं हेड गर्ल दिव्या चंदेला (कक्षा 12, साइंस) को नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में 'विजय भव' एवं मनमोहक राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर बी.एड. कॉलेज की प्राचार्या मिस एकता भारद्वाज, चीफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. दीपांकर शर्मा, मिस वंदना एम.एम इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य एवं टेक्सटाइल ब्रांच की हेड मिस्ट्रेस मिस सपना खुराना उपस्थित रहे और छात्र नेताओं को शुभकामनाएँ दीं।

डॉ. दीपांकर शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र परिषद का दायित्व सम्मान के साथ-साथ स्वयं को साबित करने का अवसर और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विद्यालय की प्रधानाचार्या मिस पूजा शर्मा ने विद्यार्थियों को अनुशासन, जिम्मेदारी, नेतृत्व एवं टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में जॉइंट वाइस प्रिंसिपल मिस ऋतु अग्रवाल ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी सफल आयोजन के पीछे पूरी टीम का सामूहिक प्रयास, समर्पण और सहयोग होता है। समारोह का समापन 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन के साथ हुआ। पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति, उत्साह एवं नेतृत्व की भावना का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

रविदास महाराज की जयंती पर कलश वंदन यात्रा में शामिल हुए कार्यकर्ता, श्रद्धा-सुमन अर्पित किए

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर मोदीनगर शहर के रुक्मणी मार्केट से बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक आयोजित कलश वंदन यात्राओं में सम्मिलित होकर संत रविदास महाराज के चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में शामिल भाजपा जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, भाजपा मोदीनगर शहर अध्यक्ष आकाश शर्मा, गन्ना समिति चेयरमैन राजन चौधरी, देवेंद्र चौधरी डायमंड, सुधा जाटव, अमित चौधरी,सभासद ललित त्यागी, डॉ देवराज शर्मा सौरभ शर्मा मोनू सभासद,मनीष अग्रवाल, संजय शर्मा,अमित कराते,अनिल पिंकी चौधरी मास्टर सुखबीर सिंह अन्य भाजपा कार्यकताओं के साथ व्यापरी नेता आशीष अरोड़ा, संजीव गुलाटी, अजिंदर रुहेला, अनिल सेन, समेत सभी सम्मानित रुक्मणी मार्केट के व्यापारी व सेकड़ों अन्य गणमान्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाएं हमें समानता, प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ समाज को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं।

डीएम की दो टूक-जनशिकायतों का कागजी नहीं, जमीन पर दिखे समाधान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में भूमि कब्जा, राजस्व विवाद, अवैध अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं।

डीएम ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण स्वीकार्य नहीं होगा, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। निस्तारण के बाद संबंधित व्यक्ति से फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने भूमाफियाओं और अवैध कब्जाधारकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा आमजन का उत्पीड़न करने वालों को किसी भी स्थिति में न बख्शने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि अधिकारी शिकायतों को प्राथमिकता से समयबद्ध ढंग से निस्तारित करें, ताकि लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। इस दौरान सीडीओ कुमार सौरभ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्वर्गीय डी.पी. गिरी करनावल की स्मृति में किए गए वादे को पूरा करने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय लोकदल के विधायक गुलाम मोहम्मद के कार्यालय पर ग्राम एवं कस्बा कर्नावल से गणमान्य लोग पीड़ित परिवार के साथ पहुंचे ।स्वर्गीय गोस्वामी डी.पी. गिरी कर्नावल राष्ट्रीय लोकदल के समर्पित एवं सच्चे सिपाही थे। उनके निधन के पश्चात आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जयंत चौधरी जी, विधायक गुलाम मोहम्मद एवं डॉ. राजकुमार सांगवान की उपस्थिति में स्वर्गीय डी.पी. गिरी कर्नावल की स्मृति में लगभग 10 लाख रुपये तक की लागत से स्मृति स्थल/स्मारक एवं पुस्तकालय बनवाने की घोषणा की गई थी।

उनके स्वर्गवास को लगभग तीन वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि अभी तक इस घोषणा को धरातल पर साकार नहीं किया गया है। परिवार द्वारा कई बार विधायक गुलाम मोहम्मद एवं सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान से निवेदन किया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई ।पीड़ित परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने पुनः अपनी मांग रखी। विधायक गुलाम मोहम्मद के कार्यालय पर कस्बा कर्नावल के चेयरमैन लोकेंद्र समस्त ग्रामवासी एवं वार्ड सदस्य उपस्थित रहे। पीड़ित परिवार के अमित गोस्वामी ने अपने पिता को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए प्रस्तावित पुस्तकालय/स्मारक का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की मांग दोहराते हुए गहरा आक्रोश व्यक्त किया। हम निवेदन करते हैं कि स्वर्गीय डी.पी. गिरी कर्नावल की स्मृति में की गई घोषणा को शीघ्र पूरा करवाने की कृपा करें। यह केवल एक परिवार की मांग नहीं, बल्कि उस समर्पित कार्यकर्ता के सम्मान का विषय है, जिसने राष्ट्रीय लोकदल के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

डॉ के एन मोदी कॉलेज में नशा जागरूकता पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला विद्यालय निरीक्षक गाजियाबाद के निर्देश के क्रम में विद्यालय की कला प्रवक्ता श्रीमती वर्षा रानी के निर्देशन में नशा मुक्ति जागरूकता पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्परिणामों दशार्या । प्रधानाचार्य ने बताया सभी छात्रों को नशे से होने वाले नुकसान और समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के बारे में विस्तार से समझाया किसी भी देश के भविष्य और तरक्की के लिए नशा सबसे बड़ी रुकावट है आज का युवा ही भविष्य की पीढ़ी का निमार्ता है यदि युवा वर्ग ही नशे की गिरफ्त में आ जाएगा देश कीतरक्की कैसे होगी इस पर सभी छात्रों को यह संकल्प दिलाया गया कि ना नशा हम करेंगे और दूसरों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर रेखा रानी और अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

हिन्दी भवन में सुभासपा का शक्ति प्रदर्शन, 2027 चुनाव की तैयारियों पर मंथन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी द्वारा शुक्रवार को लोहिया नगर स्थित हिन्दी भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने शिरकत की और पार्टी के सक्रिय कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर डॉ. अरविंद राजभर ने कार्यकताओं व पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर संगठन और समाज के लिए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए संगठनात्मक एकता, सामाजिक न्याय तथा शोषित और वंचित समाज के सशक्तिकरण को पार्टी की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को और अधिक सक्रियता के साथ काम करना होगा। सम्मान समारोह के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. अरविंद राजभर ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

कनावनी में किसानों का हुंकार: सोमवार तक समाधान नहीं तो होगा आर-पार का आंदोलन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कनावनी में जमीन के उचित मुआवजे और अपने हक की मांग को लेकर किसानों का धरना शुक्रवार को आठवें दिन भी जारी रहा। किसानों का आरोप है कि 22 वर्षों से संघर्ष के बावजूद उनकी मांगों का समाधान नहीं किया जा रहा है। वहीं, जीडीए द्वारा एक किसान के फार्म हाउस की बाउंड्री तोड़े जाने और छह किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने से आक्रोश और बढ़ गया है। किसानों ने प्रशासन और जीडीए को सोमवार तक का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि मांगों पर ठोस समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि गिरफ्तारी की स्थिति में महिलाएं और बच्चे भी धरने में शामिल होंगे। किसानों ने कहा कि अब तक आंदोलन को गैर-राजनीतिक रखा गया है, लेकिन कार्रवाई जारी रही तो सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों को आंदोलन से जोड़ा जाएगा। उचित मुआवजा और पूरा हक मिलने तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया गया है।

एनसीआर में बाइक चोरी का बड़ा नेटवर्क बेनकाब, चार अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरफ्तार; 12 बाइक बरामद

कपिल चौहान

नोएडा(वेलकम इंडिया)। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे और निशानदेही पर दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिलें, वारदात में प्रयुक्त एक वैगनआर कार और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि प्रताप, विमल शाक्य उर्फ सूर्या, प्रशांत सिंह और दीपांशु के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य वैगनआर कार से नोएडा और एनसीआर क्षेत्रों में घूमकर सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही उन्हें चोरी कर लेते थे। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की बाइकों को छिपाकर रखने और बाद में मजबूरी का बहाना बनाकर कम कीमत पर बेचने की बात कबूली है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

डिजिटल लाइब्रेरी से युवाओं को मिलेगी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की बेहतर सुविधा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने शुक्रवार को विकास खंड रजापुर की ग्राम पंचायत मकरेड़ा में निर्मित डिजिटल लाइब्रेरी एवं पंचायत घर का निरीक्षण किया। उन्होंने लाइब्रेरी में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और अध्ययनरत बच्चों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर एवं अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने परिसर की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा अध्ययन सामग्री, डिजिटल संसाधनों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल लाइब्रेरी युवाओं और बच्चों को शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बेहतर अवसर प्रदान करेंगी। इन सुविधाओं का अधिकतम लाभ ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों तक पहुंचना चाहिए।

फेशियल एस्थेटिक्स की आधुनिक तकनीकों से रूबरू हुए दंत चिकित्सक, आईटीएस में प्रशिक्षण का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर के पीरियडोंटोलॉजी विभाग की ओर से 19 से 21 अगस्त (शुक्रवार) तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स पाठ्यक्रम के छठवें मॉड्यूल का सफल आयोजन किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में निजी दंत चिकित्सकों, संस्थान के दंत चिकित्सकों, पूर्व छात्रों, एमडीएस विद्यार्थियों और शिक्षकों समेत कुल 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य दंत चिकित्सकों को चेहरे की सौंदर्य चिकित्सा से जुड़ी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना और मरीजों को समग्र उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में चिकित्सकीय दक्षता बढ़ाना रहा। पाठ्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता और डॉ. गौरव तिवारी ने प्रतिभागियों को फेशियल एस्थेटिक्स से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान रासायनिक छिलके, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, त्वचीय फिलर्स सहित अन्य आधुनिक सौंदर्य उपचारों को दंत चिकित्सा के साथ प्रभावी रूप से जोड़ने की तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने चेहरे की बनावट और मरीज की आवश्यकता के अनुसार उपचार की योजना तैयार करने पर भी विशेष जोर दिया। पहले दिन प्रतिभागियों को दाग सुधार सर्जरी, जैंथेलाजमा हटाने और कान की लोब की मरम्मत जैसी प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें दाग का आकलन, सर्जिकल सुधार, ऊतक प्रबंधन, सटीक चीरा और घाव की सिलाई जैसी तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया।

विजय नगर में विकास की नई राह, विधायक संजीव शर्मा ने किया शिलान्यास

उत्सव भवन से मंदिर तक चमकेगा रास्ता, 504 मीटर सड़क का होगा कायाकल्प

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विजय नगर के वार्ड संख्या-25 स्थित एफ-ब्लॉक में विकास कार्यों को गति देते हुए 96.85 लाख की लागत से इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह महत्वपूर्ण परियोजना त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत की गई है। परियोजना के तहत उत्सव भवन से एफ-ब्लॉक मंदिर तक करीब 504 मीटर लंबाई में इंटरलॉकिंग टाइल्स का निर्माण कराया जाएगा। इससे क्षेत्र की सड़क व्यवस्था बेहतर होगी और स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। निर्माण कार्य का उद्घाटन विधायक संजीव शर्मा एवं वार्ड संख्या-25 के पार्षद कन्हैया लाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने विकास कार्य शुरू होने पर खुशी जताई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

किसान दिवस में डीएम सख्त, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विकास भवन के दुर्गावती देवी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय किसान दिवस आयोजित हुआ। बैठक में किसानों की शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए। मोरटा गांव में जल निकासी, शाहपुर से पाइप लाइन तक जर्जर मार्ग और रसूलपुर सिकरोड़ा की सड़क के गड्ढों सहित कई समस्याओं पर संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार किसानों की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, प्रभारी उप कृषि निदेशक अमित कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और करीब 120 किसान उपस्थित रहे। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने भी समस्याओं संबंधी ज्ञापन सौंपा।

गाजियाबाद की तस्वीर बदलेगी

एलिवेटेड कॉरिडोर, हरनंदीपुरम और एयरोसिटी को मिली हरी झंडी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की 173वीं बोर्ड बैठक में शहर के आधुनिक और सुनियोजित विकास से जुड़े कई बड़े प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। मेरठ मंडलायुक्त एवं जीडीए अध्यक्ष भानु चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में घंटाघर से भाटिया मोड़ तक चार लेन एलिवेटेड ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, हरनंदीपुरम आवासीय योजना और एयरोसिटी विकास को महत्वपूर्ण मंजूरी मिली। हिंडन किनारे बंधा बनाकर हरनंदीपुरम, प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और एयरोसिटी को बाढ़ से सुरक्षित करने की योजना को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा इंदिरापुरम, राजनगर और शाहपुर बम्हैटा में भू-उपयोग परिवर्तन व नई टाउनशिप परियोजनाओं को हरी झंडी मिली। अध्यक्ष ने सभी विकास कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस की सख्ती, एंटी रोमियो स्क्वायड को दिए विशेष निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। महिला सुरक्षा और महिलाओं से संबंधित अपराधों की रोकथाम को लेकर पुलिस प्रशासन ने गंभीरता दिखाते हुए शुक्रवार को पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में विशेष गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी की अध्यक्षता पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन/मुख्यालय धवल जायसवाल ने की।

बैठक में अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल, सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध तथा जनपद के सभी थानों की एंटी रोमियो स्क्वायड टीमें मौजूद रहीं।

इस दौरान पुलिस उपायुक्त ने महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम और उनके प्रभावी निवारण के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने सभी पुलिस टीमों को सतर्कता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एंटी रोमियो स्क्वायड टीमों को अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और महिला अपराधों से जुड़े मामलों में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गोष्ठी में महिला सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधों की प्रभावी रोकथाम के लिए समन्वित और संवेदनशील पुलिसिंग पर विशेष जोर दिया गया।

बीमा पॉलिसी रिफंड के नाम पर 24 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, दो गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने विभिन्न बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर पॉलिसी का रिफंड कराने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान सुनील कुमार और आशीष शर्मा के रूप में हुई है।

गुलधर निवासी रमेश कुमार शर्मा से 11 लाख रुपये की ठगी के मामले की जांच के दौरान यह कार्रवाई हुई। पुलिस ने एनसीआरपी पोर्टल की एसओपी के तहत फ्रीज कराए गए 1.43 लाख रुपये वापस कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच में तेलंगाना के हैदराबाद निवासी से 2.5 लाख और महाराष्ट्र के डोंबिवली निवासी से 9.87 लाख रुपये की ठगी का भी खुलासा हुआ। इस तरह गाजियाबाद समेत तीन राज्यों में करीब 24 लाख रुपये की साइबर ठगी की घटनाएं सामने आई हैं।

लोनी में पुलिस मुठभेड़, 50 लाख के जेवरात बरामद

पैर में गोली लगने के बाद शातिर नकबजन गिरफ्तार

कपिल चौहान

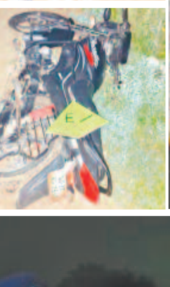

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना लोनी पुलिस ने निठोरा अंडरपास के पास चेकिंग के दौरान पुलिस मुठभेड़ में नकबजनी के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर बाइक सवार संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भागने लगा। पीछा करने के दौरान उसकी बाइक फिसल गई, जिसके बाद आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी की पहचान 28 वर्षीय सचिन पुत्र राजू, निवासी रूपनगर, लोनी के रूप में हुई है।

उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस तथा नकबजनी की घटना में चोरी किए गए करीब 50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

आरडीसी में सुबह-सुबह बुजुर्ग महिला से चेन झपटी, बाइक सवार बदमाश फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आरडीसी में शुक्रवार सुबह दिन निकलते ही बाइक सवार बदमाश ने सैर पर निकली 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला के गले से चेन झपट ली और फरार हो गया। घटना सुबह करीब साढ़े छह बजे की बताई जा रही है। बदमाश ने वारदात को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया। वह कुछ दूरी पर बाइक खड़ी कर पैदल महिला के पास पहुंचा और मौका मिलते ही चेन झपटकर दौड़ पड़ा। इसके बाद अपनी बाइक पर बैठकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बताया गया कि राजबाला सुबह घर के पास सैर कर रही थीं। इसी दौरान हेलमेट और मास्क लगाए एक युवक बाइक से वहां पहुंचा। उसने बाइक कुछ दूरी पर खड़ी की और पैदल बुजुर्ग महिला की ओर बढ़ा। महिला के पास पहुंचते ही आरोपी ने उनके गले से चेन झपटी और भागने लगा। कुछ दूरी पर खड़ी बाइक तक पहुंचने के बाद वह उस पर सवार होकर फरार हो गया। अचानक हुई घटना से बुजुर्ग महिला घबरा गईं और उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पीड़िता से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने बदमाश के आने और वारदात के बाद भागने वाले रास्ते की जानकारी जुटाई। इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक फुटेज के आधार पर बदमाश की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात के दौरान आरोपी के साथ कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं। जिस तरह बदमाश ने बाइक को कुछ दूरी पर खड़ा किया और फिर पैदल महिला के पास पहुंचकर चेन झपटी, उससे पुलिस को आशंका है कि उसने पहले क्षेत्र की रेकी की होगी। पुलिस घटना के समय आसपास मौजूद संदिग्ध लोगों और वाहनों की जानकारी भी जुटा रही है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए बदमाश की गतिविधियों और उसके भागने के रास्ते का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

फिरोजाबाद में जैन मुनि से मारपीट, FIR दर्ज: जैन समाज में आक्रोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

फिरोजाबाद। दिगम्बर जैन महासंघ और राष्ट्रीय एकता मंच के प्रवक्ता अजय जैन ने कहा कि जैन मुनि के साथ हुई मारपीट को लेकर के पूरे भारत के जैन समाज में आक्रोश उत्पन्न है और जैन समाज की माँग है की जल्द से जल्द मुनि एकत्व सागर जी महाराज के साथ हुई मारपीट और अभद्र व्यवहार करने वाले दोषी लोगों को अगर तुरंत गिरफ़्तार करके कड़ी से कड़ी करवाई नहीं की गई तो जैन समाज धरना प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगा।

यह बात जैन महासंघ और जैन एकता मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय जैन ने दी साथ ही जैन ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी से आग्रह किया है कि फिरोजाबाद में हुई घटना की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी लोगों के खिलाफ सख़्त से सख़्त करवाई की जाए। फिरोजाबाद के कोटला रोड स्थित श्रीदिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को चातुर्मास कर रहे जैन मुनि एकत्व सागर महाराज के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। घटना के बाद जैन समाज में आक्रोश फैल गया।

विवाद से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। नसिया जी जैन मंदिर में चातुर्मास के दौरान रह रहे जैन संत एकत्व सागर जी महाराज के साथ कथित अभद्रता और मारपीट के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बंदरों से संबंधित भी कुछ विवाद हो गया था। मंदिर परिसर में श्रीपार्श्वनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक और श्रीपार्श्वनाथ विधान आयोजित होना है।

इसी कार्यक्रम से संबंधित बैनर मुनि अमित सागर महाराज के समर्थकों की ओर से लगाया जा रहा था। आरोप है कि यह बैनर मुनि एकत्व सागर महाराज के चातुर्मास से संबंधित बैनर के ऊपर लगाया जा रहा था। इसी बात को लेकर विवाद की शुरूआत हुई। विवाद से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

मुनि अमित बोले- मेरा घटना से लेना-देना नहीं विवाद के बीच मुनि अमित सागर महाराज की ओर से घटना से स्वयं और अपने शिष्यों का कोई लेना-देना होने से इनकार किया गया है। उनका कहना है कि घटना को लेकर लगाए जा रहे आरोपों से उनका कोई संबंध नहीं है। पुलिस जांच कर रही है। वीडियो को भी इसका हिस्सा बनाया गया है। इसके बाद स्थिति साफ होगी।

कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं की समीक्षा कर समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग ,गन्ना विभाग, सहकारिता, विभाग, पशुपालन विभाग विभाग में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान निर्देशित किया गया कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया के माध्यम से किया जाए, जिससे अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त गत वर्ष में विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति, लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या तथा उन्हें प्रदान किए गए लाभ का योजनावार सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आवंटित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति, कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण, किसानों को उर्वरकों की समयबद्ध उपलब्धता, पर्याप्त स्टॉक, पीओएस के माध्यम से पारदर्शी वितरण, अनुदानित बीजों की ऑनलाइन बुकिंग एवं ई-लॉटरी प्रक्रिया की जानकारी , किसान हित सर्वोपरि रखते हुए सभी विभागों को समन्वित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। दलहनी फसलों के उत्पादन एवं प्रचार-प्रसार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गये।

मत्स्य विभाग, सहायक निदेशक मत्स्य द्वारा अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना,निषादराज वोट योजना, ग्राम समाज के तालाबों का पट्टा, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, विभागीय जलाशय योजना, के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

जिला गन्ना अधिकारी ने अवगत कराया कि गन्ना भुगतान रू0 297.27 करोड कर दिया गया है। अवशेष भुगतान सितम्बर, 26 तक करा दिया जायेगा।

सहकारित विभाग सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधन सहकारिता द्वारा अवगत कराया गया कि फसली ऋण पशुपालन एवं विविध ऋण, कृषि निवेश वितरण, कृषि यंन्त्र योजना,सहकार से समृद्धि योजना, कृषि अवसरचना योजना की जानकारी दी गयी।

पशुपालन विभाग मुख्य पशुचिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री गौसंवर्धन योजना, सूकर पालन योजना, बकरी पालन योजना, बैकयार्ड पोल्ट्री योजना , नैपियर घास/रूट स्लिप योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

उद्यान विभाग उद्यान निरीक्षक, द्वारा अवगत कराया गया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना,अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कृषकों हेतु औद्यानिक विकास राज्य सैक्टर योजना, मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना, परड्राप मोरक्राप माईक्रोइरीगेशन रूफ टॉप गार्डेनिंग, संचालित शीतगृह के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जाए तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित अनुश्रवण एवं लक्ष्य पूर्ति पर विशेष ध्यान दियाया जायें।

उपस्थिति का विवरणः-उप कृषि निदेशक, गाजियाबाद,जिला कृषि अधिकारी, गाजियाबाद, कृषि रक्षा अधिकारी, गाजियाबाद, जिला उद्यान अधिकारी, गाजियाबाद, जिला गन्ना अधिकारी, गाजियाबाद, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधन सहकारिता, गाजियाबाद, भूमि संरक्षण अधिकारी, गाजियाबाद, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गाजियाबाद, सहायक निदेशक मत्स्य,गाजियाबाद, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, गाजियाबाद। सामान्य निर्देश/दिशा-निर्देश जनपद की समस्त योजनाओ से सम्बन्ति अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।